छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 84 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 27 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ सरकार के गृह विभाग ने आईजी रतनलाल डांगी को किया निलम्बित

निलम्बन आदेश में सख्त टिप्पणी, यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग का लगा था गंभीर आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के गृह (पुलिस विभाग)ने आईजी रतन लाल डांगी को निलम्बित कर दिया है। गृह विभाग से जारी निलम्बन आदेश में लिखा है कि वे पुलिस विभाग में वरिष्ठ अधिकारी के गरिमापूर्ण पद पर पदस्थ रहते हुए, पद के अनुरूप आचरण का प्रदर्शन न करते हुए अशोभनीय एवं नैतिकता के प्रतिकूल आचरण प्रदर्शित करना, अपने पद के प्रभाव का दुरूपयोग करना तथा स्थापित सांस्कृतिक मानकों का उल्लंघन करना अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम 1968 का उल्लंघन करना प्रथम दृष्टया परिलक्षित होता है।

बता दें कि आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर एक महिला ने नवंबर महीने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत सामने आने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आया और जांच शुरू हुई, इसी दौरान सोशल मीडिया में इनसे जुड़े कथित आपत्तिजनक फोटो वायरल हुए, जिससे मामला और ज्यादा तूल पकड़ लिया। हालांकि, निलम्बित आईजी रतनलाल डांगी ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया था। इधर एक्शन मोड में आई सरकार की ओर से जारी किए गए निलम्बन आदेश में आरोपों के आधार पर उनके आचरण की जांच का संकेत दिया गया है और प्रथम दृष्टया मामला गंभीर प्रकृति का पाया गया है। जांच की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय, पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर रहेगा। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे निलंबन अवधि में सक्षम अधिकारी के अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की विभागीय कार्रवाई तय की जाएगी।

संघर्ष और चुनौतियों भरे सफर के बीच लगा दाग

रतनलाल डांगी का आईपीएस बनने का तक का सफर संघर्ष और चुनौतियों से भरा है। 20 साल की उम्र में सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में इन्होंने नौकरी शुरू की थी। छह साल तक अध्यापन करने के बाद वे आरपीएससी परीक्षा पास करके टैक्स इंस्पेक्टर बने, नायब तहसीलदार पद पर भी चयन हुआ। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2002 में उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 226 हासिल किया और 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी बने, इन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला। आईपीएस बनने के बाद वे छत्तीसगढ़ के कोरबा, बिलासपुर, कांकेर, बीजापुर में पुलिस अधीक्षक और सरगुजा, दुर्ग और बिलासपुर में आईजी के पद पर सेवा दिए। इन्हें चंद्रखुरी पुलिस अकादमी का निदेशक भी बनाया गया था, बाद में रायपुर आईजी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। ऐसे आईपीएस पर आई आंच की सच्चाई क्या है, इसे जानने को जनमानस भी आतुर है।

अनैतिक कृत्य के लिए ठहराया जिम्मेदार

आईजी रतन लाल डांगी का कृत्य मीडिया में प्रसारित एवं प्रचारित हुआ है, जिसके कारण सामान्य जनमानस एवं समाज में पुलिस की छवि धूमिल हुई। अनैतिक कृत्य के लिए रतन लाल डांगी, भा.पु.से. व्यक्तिगत स्तर पर पूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं, ऐसा प्रतीत होता है, जिसके कारण उनके विरूद्ध विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है। राज्य शासन एतद् द्वारा रतन लाल डांगी, भापुसे (2003) पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर को अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1969 के नियम 3 (1)(ए) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित करता है।

भाजपा नेता के फॉलो गाड़ी की टक्कर से उछलकर 50 मीटर दूर गिरे युवक, दोनों की मौत

पूर्व कैबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल के अध्यक्ष महेश गागड़ा को कर रही थी फॉलो

छ.ग.फ्रंटलाइन जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर-रायपुर नेशनल हाइवे 30 पर बुधवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां पूर्व कैबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल के अध्यक्ष महेश गागड़ा की फॉलो गाड़ी ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवकों की मौत हो गई। हादसा बस्तर थाना क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान कमलेश उइके और राम प्रसाद चिरम के रूप में हुई है, जो जगदलपुर के दुबेगांव के रहने वाले थे।

जानकारी के मुताबिक पूर्व मंत्री के काफिले को कवर करने की कोशिश में बोलेरो काफी तेज रफ्तार में थी। इसी दौरान बालेंगा पेट्रोल पंप के पास बोलेरो ने सामने से आ रहे बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरे और उनकी बाइक ट्रक में जाकर घुस गई। हादसे में कमलेश उइके (40) और राम प्रसाद चिरम (30) की मौत हो गई। गाड़ी मालिक की पहचान हिमांशु चक्रवर्ती के रूप में हुई है, जो पूर्व कैबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ वॉलीबॉल के अध्यक्ष महेश गागड़ा के काफिले में शामिल होने के लिए जा रहा था, तभी हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने बोलेरो मालिक को घेर लिया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बस्तर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बोलेरो मालिक को हिरासत में ले लिया है।

घटना का लाइव वीडियो आया सामने

घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दो युवक एक बाइक पर सवार हैं। पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर में दोनों 50 मीटर दूर जा गिरे और उनकी बाइक भी ट्रक के नीचे जाकर फंस गई, वहीं बोलेरो वाहन खेत में पलटते-पलटते बचा।

श्रद्धा का अनूठा धाम, जहां पत्थर चढ़ाने से पूरी होती है मुराद

मां वनदेवी के विविध नाम, यहां की मिट्टी के कण-कण में शक्ति का वास

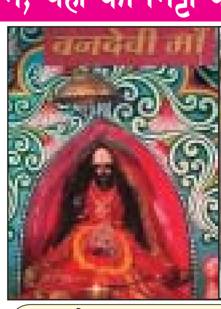

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ का सरगुजांचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पुरातत्व, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ अटूट धार्मिक आस्था के लिए भी विश्व विख्यात है। यहां की मिट्टी के कण-कण में शक्ति का वास माना जाता है। मां महामाया से लेकर कुदरगढ़ी देवी तक भक्ति के कई रूप हैं। मां भगवती यहां अलग-अलग रूपों और नामों से पूजी जाती हैं, पर भक्तों की अटूट श्रद्धा हर नाम में एक समान है।

सरगुजा जिला मुख्याल अंबिकापुर से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर हर्राटिकरा ग्राम पंचायत के सांडबार के घनघोर जंगलों के बीच मां वनदेवी स्वयं भू रूप में हाथी स्वरूप विशाल पत्थर के पास पीपल वृक्ष के नीचे विराजमान थीं। वर्तमान में मां वनदेवी मंदिर में विराजमान हैं। लगभग तीन दशक पहले वनदेवी मंदिर वनवाकर मां को स्थान दिया गया है। मां वनदेवी मंदिर आस्था, इतिहास और प्रकृति का एक अद्भुत संगम है। श्रद्धा का अनूठा धाम सरगुजा की मनोकामना देवी मां वनदेवी के संबंध में एक मान्यता प्रचलित है कि यहां पत्थर चढ़ाने से पूरी होती है मुराद। आज यह स्थल एक जागृत सिद्धपीठ बन चुका है। जंगलों के बीच स्थित इस परिसर में अब भव्य मंदिर का निर्माण हो चुका है। यहां मां वनदेवी के साथ-साथ वनेश्वर महादेव, विनायक मंदिर, पंचमुखी हनुमान, राधा-कृष्ण, संतोषी माता और मां दुर्गा के मंदिर भी स्थापित हैं। प्रकृति की गोद में बसा यह मंदिर न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि प्राचीन लोक मान्यताओं और मानवीय जुड़ाव का एक जीवंत उदाहरण पेश करता है। मां वनदेवी के दरबार में अटूट विश्वास ही सबसे बड़ा प्रसाद है। यहां चढ़ाया गया एक गोटा पत्थर भक्त की बड़ी से बड़ी मुराद पूरी करने की शक्ति रखता है।

पत्थरों का चढ़ावा, प्रकृति और आस्था का अनूठा संगम

सांडबार स्थित मां वनदेवी मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां की सदियों पुरानी पूजा पद्धति है। मान्यता है कि वन में निवास करने वाली देवी को प्रकृति का यही सरल स्वरूप प्रिय है। मंदिर परिसर में पड़े पत्थरों के ढेर इस बात की गवाही देते हैं कि यहां आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। जब मन्नत पूरी होती है, तो भक्त कृतज्ञता के साथ यहां पत्थर अर्पित करते हैं।

त्रेतायुग और राजशाही इतिहास से गहरा नाता

इस पावन स्थल का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही रोचक भी है। जनश्रुतियों के अनुसार, वनवास काल के दौरान माता सीता ने इस एकांत स्थल पर समय बिताया था। यहां उन्होंने 'वन देवी' के रूप में अपनी पहचान गुप्त रखी थी। मंदिर के समीप एक विशाल 'हाथी स्वरूप' पत्थर है। रियासत काल में जब राजाओं के हाथी अनियंत्रित या पागल हो जाते थे, तो उन्हें इसी पत्थर के पास बांधा जाता था। माना जाता है कि मां की कृपा से वे हाथी शांत और स्वस्थ हो जाते थे। सरगुजा रियासत के राजा शिकार पर निकलने से पहले मां वनदेवी की अनुमति लेना अनिवार्य समझते थे। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि पूर्वजों के अनुसार, राजा साहब ने इसी क्षेत्र में शेर का शिकार भी किए थे।

सरगुजा की धरती पर शक्ति उपासना की गहरी परंपरा

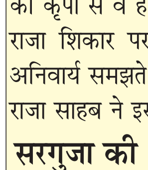

राज्यपाल पुरस्कृत पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी बताते हैं कि सरगुजा की धरती पर शक्ति की उपासना की गहरी परंपरा है। यहां भक्त मां महामाया के दरबार में शीश नवाते हैं, तो कहीं ज्वालामुखी देवी, खुड़िया रानी, बड़की माई, रमपुरहिन दाई, बूढ़ी दाई, गढ़वतिया देवी, वनदेवी और मां समलाया के रूप में शक्ति की आराधना होती है। इन्हीं दिव्य रूपों में से एक हैं मां वनदेवी, जिन्हें सरगुजा अंचल की मनोकामना पूर्ति की देवी के रूप में विशेष मान्यता प्राप्त है।

पानी गिरने से भड़के प्रधान पाठक ने बच्ची के ऊपर पानी उड़ेला

शिक्षा के मंदिर में बच्ची के साथ हुए दुर्व्यवहार से स्वजन नाराज, कार्रवाई का इंतजार

शिकायत कर्ता

छ.ग.फ्रंटलाइन कुसमी/चांदो। बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाडीह कला, बरवाही पारा स्थित प्राथमिक शाला बरवाही में में शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहां पदस्थ प्रधान पाठक पर 6 वर्षीय मासूम छात्रा के साथ दुर्व्यवहार और प्रताड़ना का आरोप लगा है। मामला जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में लाने के बाद बच्ची के स्वजन कार्रवाई की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

शिकायतकर्ता दशरथ प्रसाद गुप्ता के अनुसार उनकी पोती आरोही गुप्ता (6 वर्ष), कक्षा पहली की छात्रा है। 12 मार्च को स्कूल के दौरान बच्ची को प्यास लगी और वह अपने बैग से पानी की बोतल निकालकर पीने लगी। इसी दौरान कुछ पानी जमीन पर गिर गया। आरोप है कि इस बात पर प्रधान पाठक अशोक कुमार गुप्ता भड़क गए और गुस्से में आकर बच्ची के हाथ से बोतल छीनकर गालियां देने लगे, और बोतल का पानी बच्ची के सिर पर उड़ेल दिया। इस घटना से डरी-सहमी बच्ची रोते हुए घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। सवाल यह उठ रहा है कि संबंधित शिक्षक के विरूद्ध कब तक कार्रवाई होगी?

पहले भी रहे हैं विवादों में शिक्षक

ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। प्रधान पाठक के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें सामने आ चुकी हैं। इन पर बच्चों को लात-डंडों से मारने, अभद्र भाषा का प्रयोग करने, छोटी-छोटी बातों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना देने जैसे आरोप ग्रामीण लगा रहे हैं। गांव में लंबे समय से उनके व्यवहार को लेकर असंतोष बना हुआ है।

परिजनों ने कहा-सख्त कार्रवाई हो

पीड़ित बच्ची के परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी शिक्षक पर तत्काल कार्रवाई करते हुए स्कूल में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। शिक्षा का माहौल सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया जाए। घटना के बाद पूरे गांव में आक्रोश का माहौल है और लोग शिक्षा विभाग से कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार मां-बेटी की मौत, दो की स्थिति गंभीर

बेकाबू हाईवा वाहन पहले घुसी थी घर में, दूसरी घटना में ट्रक की चपेट में आया था युवक

छ.ग.फ्रंटलाइन चांदो। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के चांदो थाना क्षेत्र में गुरुवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों ने पूरे इलाके को दहला दिया। तेज रफ्तार और अनियंत्रित भारी वाहनों की चपेट में आने से जहां दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई, वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया, और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पहली हृदयविदारक घटना चांदो क्षेत्र के कन्हर नदी पुलिया के पास ग्राम भेदमी में हुई। रामप्रीत नगेसिया अपनी मां और नानी के साथ बाइक से बैरडीहकला गांव की ओर महुआ चुनने जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार हाईवा वाहन अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे स्थित बेचू साव के घर में जा घुसी, फिर बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में रामप्रीत की मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल नानी ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में रामप्रीत नागेसिया बुरी तरह घायल हो गया, बताया जा रहा है कि उसका एक पैर कट गया है और हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गणेश मोड़ चैकी प्रभारी ओमप्रकाश पटेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया।

बॉक्साइट लोड ट्रक के चालक ने युवक को कुचला

दूसरी घटना ग्राम कंदरी में हुई, यहां बॉक्साइट परिवहन कर रहे ट्रक का चालक बाइक सवार सद्दाम खान (35 वर्ष) को कुचलते हुए निकल गया। हादसे में सद्दाम के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ट्रक चालक शराब के नशे में धुत था। इनके द्वारा प्रशासन की कारगुंजारी को भी सवालों के घेरे में लिया गया है। इनका कहना है कि प्रतिबंध और चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के बावजूद इस मार्ग से अवैध रूप से बॉक्साइट ट्रकों का संचालन जारी है।

आश्वासन के बाद चक्काजाम हुआ समाप्त

लगातार हुई इन घटनाओं से गुस्साए ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए चांदो थाना प्रभारी दुवेन्द टेकाम, बलरामपुर थाना प्रभारी भापेंद्र साहू और गणेश मोड़ चैकी प्रभारी ओमप्रकाश पटेल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी समझाइश के बाद भी ग्रामीण शांत नहीं हुए। भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री विकास मंडल मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करते हुए इसकी जानकारी भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल को दी। भाजपा के पदाधिकारियों ने घटनाक्रम से बलरामपुर जिला कलेक्टर राजेंद्र कटारा को अवगत कराया, उन्होंने घायलों के समुचित इलाज और हरसंभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया, इसके बाद ग्रामीणों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया।

हाईवा-ट्रक जप्त, चालकों को गिरफ्तार की पुलिस

पुलिस ने दोनों मामलों में संबंधित ट्रक व चालकों को हिरासत में ले लिया है। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मांग पर मामला दर्ज करके पुलिस आगे जांच कर रही है। लगातार हो रहे सड़क हादसों और अवैध परिवहन से क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

सोलर पॉवर प्लांट में लगा 24 नग बैटरी पार

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। सोलर पावर प्लांट में लगे 24 नग बैटरी को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। केदमा थाना क्षेत्र के ग्राम सितकालोपारा खर्रानगर निवासी प्लांट के टेक्नीशियन रंजीत तिर्की पिता अशोक तिर्की 40 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि क्रेडा कार्यालय अंबिकापुर द्वारा सोलर पावर प्लांट लगाया गया है, जिसमें 24 नग बैटरी लगा हुआ है। 11 मार्च को करीब 11 बजे जाकर देखा, तब तक बैटरी सुरक्षित था। 22 मार्च को सुबह करीब 10 बजे बैटरी अज्ञात चोर चोरी करके ले गया था। गांव में तलाश के बाद भी बैटरी का पता नहीं चला। इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देकर वह घटना की रिपोर्ट उदयपुर थाने में दर्ज कराया है, जिस पर पुलिस अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

रात का सफर भी दिन की तरह सुरक्षित हुआ, मारेंगा बाइपास जगमगाया हाईमास्ट लाइटों से

जगदलपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। एनएच 30 पर सफर करने वाले राहगीरों और स्थानीय निवासियों के लिए एक सुखद बदलाव देखने को मिल रहा है। विकास की कड़ी में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जोड़ते हुए मारेंगा बाय पास मार्ग चौक पर हाई मास्ट विद्युतीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। अब यह पूरा क्षेत्र रात के सन्नाटे और अंधेरे को चीरती हुई दूधिया रोशनी से जगमगा उठा है। जिससे मार्ग का नजारा पूरी तरह बदल गया है।

लगभग चौदह लाख की लागत से विद्युतीकरण के इस कार्य के संपन्न होने से मारेंगा बाय पास चौक पर सुरक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है। पूर्व में रात के समय पर्याप्त प्रकाश न होने के कारण वाहन चालकों को मुड़ने और क्रॉसिंग पर भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता था। अब आधुनिक हाई मास्ट लाइटों की स्थापना से दूर-दूर तक स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित हो गई है, जो न केवल तेज रफ्तार वाहनों के लिए मददगार साबित हो रही है बल्कि स्थानीय व्यापार और आवाजाही को भी सुरक्षा प्रदान कर रही है।

हाई मास्ट की ऊंची लाइटों ने इस जंक्शन को एक आधुनिक स्वरूप दे दिया है। राहगीरों का कहना है कि अब रात का सफर भी दिन की तरह सुरक्षित और सुगम महसूस होता है। प्रशासन और संबंधित विभाग के इस प्रयास से न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है, बल्कि मारेंगा बाय पास अब नेशनल हाईवे पर एक उज्ज्वल और विकसित पड़ाव के रूप में उभर रहा है।

कोयले की जगह पत्थर, गायत्री खदान पर उठे गंभीर सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री भूमिगत खदान इन दिनों सुर्खियों में है, लेकिन वजह उत्पादन नहीं बल्कि लगातार बिगड़ती गुणवत्ता और प्रबंधन की कार्यशैली है। हालात ऐसे बन गए हैं कि जिस खदान से काला सोना निकलना चाहिए, वहां से पत्थरों का ढेर निकल रहा है और इसकी कीमत कोयला व्यापारी चुका रहे हैं। खदान से जुड़े डीओ होल्डरों का आरोप है कि पिछले एक महीने से खदान प्रबंधन लगातार यह कहकर समय टाल रहा है कि 2-3 दिन में अच्छा कोयला मिलने लगेगा। लेकिन हकीकत यह है कि आज तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। खदान से निकलने वाला अधिकांश माल पत्थर मिश्रित है, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।कोयले के नाम पर पत्थर मिलने से व्यापारियों की पूरी गणना बिगड़ गई है। डीओ होल्डरों का यह भी आरोप है कि खरीदा गया कोयला बाजार में बेचने लायक नहीं और परिवहन और मजदूरी का खर्च अलग उठाना पड़ रहा है। गुणवत्ता खराब होने से ग्राहक भी मना कर रहे हैं। ज्ञात हो कि एसईसीएल की नीति के अनुसार पहले कोयले का ऑक्शन होता है और व्यापारी पूरा पैसा जमाकर कोयला खरीदता है।

खदान से कोयला उठाने के लिए 45 दिन का समय मिलता है लेकिन वर्तमान हालात में यह समय सीमा व्यापारियों के लिए फंदा बन गई है। जब खदान से सही कोयला मिल ही नहीं रहा, तो उठाव कैसे हो। डीओ होल्डरों का कहना है कि यदि 45 दिनों में कोयला नहीं उठाया गया, तो वह लेप्स घोषित हो जाता है। नियम के अनुसार कोयला की जगह पत्थर मिलने से दिक्कत होने पर कोयला का उठाव नहीं होने से प्रबंधन द्वारा व्यापारी को पूरा पैसा वापस नहीं मिलता है। व्यापारी को केवल प्रति टन 150 रुपए की कटौती कर राशि लौटाई जाती है। इस पूरी अव्यवस्था से नाराज डीओ होल्डरों ने विरोध जताते हुए कहा कि यह व्यापार नहीं, बल्कि घाटे का जाल बन गया है। हम कोयला खरीदते हैं, लेकिन बदले में पत्थर मिलता है। ऊपर से समय सीमा और कटौती दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रभावित डीओ होल्डरों ने एसईसीएल प्रबंधन से मांग की है कि खदान में गुणवत्ता सुधार के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। लेप्स कोयले पर की जाने वाली कटौती खत्म हो और हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजा दिया जाए। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। ज्ञात हो कि गायत्री खदान का यह मामला सिर्फ एक खदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है।

डीओ होल्डरों का आरोप निराधार

कोयला की आपूर्ति डीओ होल्डरों को नियमानुसार की जा रही है। कभी कभी मशीनों के ब्रेक डाउन होने की वजह से थोड़ी दिक्कत होती है, लेकिन उसे सुधार कर फ्रेश कोयला की ही सप्लाई डीओ होल्डरों को किया जा रहा है। कोयला के साथ पत्थर आता है, जिसे काटकर अलग कर दिया जाता है।

जनार्दन सिंह
मैनेजर
गायत्री भूमिगत खदान

महा अष्टमी पर आस्था का देवीधामों में उमड़ा जनसैलाब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व में महा अष्टमी का दिन पूरे कोयलांचल क्षेत्र के लिए श्रद्धा, आस्था और उत्साह का चरम बनकर सामने आया। नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के आठवें स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ की गई। भोर से ही मंदिरों का श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गई। कोयलांचल के प्रमुख आस्था केंद्र आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर और स्वयंभू मां कालरात्रि मंदिर, केनापारा में सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। आसपास के गांवों के साथ-साथ दूर-दराज क्षेत्रों से भी हजारों की संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचे। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं के साथ बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। माता का दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। महा अष्टमी के अवसर पर व्रतधारी श्रद्धालुओं ने पूरे दिन उपवास रखकर माता की आराधना की। कई भक्तों ने विशेष अनुष्ठान, हवन और महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही सिलफिली-महेशपुर के मध्य

पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। परंपरा के अनुसार इस दिन कन्या भोज का आयोजन कराया गया शाम के समय स्थित महामाया मंदिर, ग्राम पंचायत संजयनगर महावीरपुर में स्थित कालीघाट में भी भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना किया।

प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में 5.8 किलोमीटर पर अक्ष के साथ 80 डिग्री पूर्व और 22 डिग्री उत्तर में स्थित है। एक ऊपरि हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ तेज अंधड़ चलने, वज्रपात होने और ओलावृष्टि होने की संभावना है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में अगले 4 दिनों में चार डिग्री के आसपास गिरावट संभावित है। ओला वृष्टि मुख्यत: सरगुजा संभाग और उससे लगे बिलासपुर संभाग के जिले संभावित हैं। प्रदेश के गरियाबंद तथा अन्य स्थानों पर भी वर्षा होने के साथ ही ओलावृष्टि हुई है, जिसके कारण मौसम बदल गया है। इधर लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत असर पड़ा है। चिकित्सों के पास लोगों के ईलाज के लिए भीड़ बढ़ती जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार विदर्भ छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने लगा है, जिसके कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत तो मिली है, लेकिन उमशभरी गर्मी से लोग बेचैन हैं।

निधन
ओमप्रकाश उपाध्याय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सतपता निवासी सेवानिवृत्त कॉलरी कर्मी ओमप्रकाश उपाध्याय का निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। वे व्याख्याता संतोष उपाध्याय, कारोबारी जयराम उपाध्याय के पिता श्री थे। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार 27 मार्च को स्थानीय मुक्तिधाम में किया जाएगा।

पूर्व जिपं सदस्य का घर ढहाने पर भड़की कांग्रेस, जिलाध्यक्ष ने दी आर-पार की चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। भटगांव कोल क्षेत्र के प्रतापपुर जागरनाथ खदान महान-3 में गुरुवार को आक्रोश का ज्वालामुखी फूट पड़ा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने खदान के मुख्य द्वार को घेर लिया जिससे दिन भर खदान का संचालन पूरी तरह ठप रहा। यह प्रदर्शन दो दिन पूर्व हुई उस घटना के विरोध में और तीव्र हो गया जिसमें एसईसीएल प्रबंधन ने कांग्रेस के पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पैतृक घर को ढहा दिया था।मौके पर पहुंचीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को तेज करते हुए सीधे प्रबंधन पर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि दो दिन पूर्व जिस तरह बिना किसी ठोस वैकल्पिक व्यवस्था के हमारे पूर्व जिला पंचायत सदस्य के पैतृक आवास को तोड़ा गया, वह एसईसीएल की तानाशाही और अहंकार का प्रमाण है। प्रबंधन ने सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि एक परिवार की यादें और गरिमा तोड़ी है। इस अन्याय का जवाब अब खदान की ईंट से ईंट बजाकर दिया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने दो टूक शब्दों में अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर प्रशासन और प्रबंधन ने 24 घंटे के भीतर मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया, तो यह प्रदर्शन अनिश्चितकालीन आंदोलन में तब्दील हो जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता और मुख्य मांगें पूरी नहीं होती तब तक आंदोलन की आग शांत नहीं होगी। इस विरोध प्रदर्शन में हजारों की संख्या में ग्रामीण और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे जिन्होंने एसईसीएल प्रबंधन होश में आओ के नारों के साथ पूरे खदान परिसर को हिला कर रख दिया। इस दौरान पूर्व विधायक भानुप्रताप सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, विद्यासागर सिंह, नवीन जायसवाल, त्रिवभुवन सिंह, संजीव श्रीवास्तव, सुरेश अयाम,डी राम, अविनाश साहू, गोल्डी खान, राजू आयाम सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिव पुराण कथा के बीच एक परिवार की कराई गई घर वापसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुम्दा कॉलोनी में चल रही शिव पुराण कथा के दौरान आस्था, परंपरा और सामाजिक एकजुटता व धार्मिक कार्यक्रम के बीच एक परिवार ने विधि-विधान के साथ पुन: सनातन धर्म को अपनाते हुए घर वापसी की है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खोड़ पंडोपारा, थाना पटना, जिला कोरिया निवासी शंकरलाल पिता नर्मदा प्रसाद ने वर्ष 2015-16 में अपने परिवार सहित धर्म परिवर्तन कर लिया था। अब लगभग एक दशक बाद उन्होंने अपनी पत्नी महेश्वरी, पुत्र करण कुमार और पुत्रियों आंचल व वर्षा के साथ पुन: सनातन धर्म में लौटने का निर्णय लिया। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुम्दा कॉलोनी में आयोजित शिव पुराण कथा के दौरान आचार्य पंडित भोला प्रसाद मिश्र के सानिध्य में पूरे परिवार का सदस्यों का पांव पखार कर उन्हें सनातन धर्म में पुन: शामिल कराया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच

विधिवत रुद्राभिषेक करा भगवा अंगवस्त्र और श्रीफल भेंटकर उनका स्वागत किया गया। हिंदू युवा समिति के सदस्यों ने परंपरा अनुसार परिवार के परिवार ने पुन: सनातन परंपराओं को स्वीकार किया। इस आयोजन में हिन्दू युवा समिति कुम्दा कॉलोनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके नेतृत्व में यह घर वापसी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मित्तल पाण्डेय जिला मंत्री भाजयुमो सूरजपुर, विनोद सिंह, अभय सिन्हा, दिनेश मिश्रा, अनिल कुशवाहा और दिलीप सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे। लोगों ने इसे सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया।

आयोजन समिति के सदस्यों का कहना है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं और समाज में एकता का संदेश देते हैं। ज्ञात हो कि कुम्दा कॉलरी स्थित शिव मंदिर प्रांगण में 20 मार्च से 29 मार्च तक श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

पूरा हुआ मनीषा का सपना, मिला सुरक्षित आशियाना

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। एक सुरक्षित और पक्का घर हर परिवार के जीवन में स्थिरता, सम्मान और सुकून लेकर आता है। जब वर्षों का सपना हकीकत बनता है, तो वह केवल एक मकान नहीं बल्कि खुशियों और आत्मविश्वास की नई शुरुआत भी होता है। ऐसा ही सुखद बदलाव कोरबा नगर निगम के बुधवारी बाजार की श्रीमती मनीषा शुक्ला के जीवन में आया, जब प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के माध्यम से उनका पक्के घर का सपना साकार हुआ।

श्रीमती मनीषा शुक्ला एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके पति श्री विपिन कुमार शुक्ला और वे लंबे समय से अपने परिवार के लिए एक पक्का मकान बनवाने का विचार कर रहे थे, लेकिन सीमित आय के कारण एक साथ बड़ी राशि जुटा पाना उनके लिए आसान नहीं था। वे जिस पुराने घर में रहते थे, वह पुराना हो चुका था। बारिश के मौसम में घर में पानी टपकने और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता था। घर की स्थिति खराब होने के कारण समय-समय पर मरम्मत करानी पड़ती थी और जगह कम होने से मेहमानों के आने पर भी असुविधा होती थी।

वर्ष 2025-26 में हुए सर्वे के दौरान उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 की सूची में शामिल हुआ। आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनका आवास स्वीकृत हो गया। जल्दी ही योजना की पहली किस्त उनके बैंक खाते में आ गई, जिससे उन्होंने अपने सपनों के घर का निर्माण कार्य शुरू कर दिया। मनीषा ने योजना से मिली राशि के साथ अपनी वर्षों की जमा पूंजी भी जोड़ी और एक मजबूत तथा सुंदर पक्का मकान बनवाया। अब उनका घर पूरी तरह तैयार हो चुका है। वे अपने परिवार के साथ नए घर में आराम और सुकून के साथ जीवन व्यतीत कर रहीं हैं।

पक्का मकान बनने से मनीषा को न केवल दैनिक जीवन की परेशानियों से मुक्ति मिली, बल्कि समाज में उनकी प्रतिष्ठा भी बढ़ी है। अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में रह रहा है। वह कहती हैं प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जैसे कई परिवारों को पक्के घर का सपना पूरा करने का अवसर दिया है।

सभापति के आदेशानुसार रायपुर नगर निगम सामान्य सभा की बैठक 30 को

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ के आदेशानुसार नगर निगम सचिवालय द्वारा दिनांक 30 मार्च 2026 को प्रात: 11 बजे रायपुर नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर निगम सामान्य सभा सभागार में रायपुर नगर पालिक निगम सामान्य सभा की बैठक आहुत की गयी है. सामान्य सभा की बैठक में सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़ के सभापतित्व में एमआईसी के संकल्प अनुसार निर्धारित 17 एजेंडों पर एजेंडावार चर्चा और विचार - विमर्श किया जायेगा. प्रारंभ में सामान्य सभा की विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की जाएगी. प्रश्नकाल के लिए एक घण्टे की अवधि नियमानुसार निर्धारित है।

नगरीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत 195 करोड़ जारी

पेयजल, स्वच्छता और आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण को मिलेगी रफ्तार

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों के लिए 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत 194 करोड़ 93 लाख रुपए जारी किए हैं। इस राशि से राज्य के 139 नगरीय निकायों में विकास कार्यों को गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

15वें वित्त आयोग के तहत 116 करोड़ 96 लाख रुपए टाइड ग्रांट के रूप में प्राप्त हुए हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े कार्यों में किया जाएगा। इससे शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति व्यवस्था में भी सुधार होगा। भारत सरकार द्वारा 77 करोड़ 97 लाख रुपए का अनटाइड ग्रांट भी जारी किया गया है। यह राशि शहरों में सड़क, नाली और अन्य आधारभूत ढांचे के विकास पर खर्च की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि जारी करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार शहरों के विकास और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए समन्वित रूप से पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध करा रही है। इससे शहरों को अधिक सुव्यवस्थित, स्वच्छ और नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण बनाने के कार्यों को तेजी मिल रही है। राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के समग्र और सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्राप्त राशि का उपयोग पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

छत्तीसगढ़ में जनजातीय शक्ति का खेल महाकुंभः देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरूआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक - केंद्रीय मंत्री मांडविया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री साइखोम मीराबाई चानू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सरगुजा ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रुचि है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आत्मसमर्पित नक्सली भी नुआबाट (नई राह) के माध्यम से मुख्यधारा में लौटकर इन आयोजनों में सहभागी बने-जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में खेलों को लेकर उत्साह और प्रयास दोनों दोगुने हैं। राज्य सरकार ने

मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की शुरूआत की है, जिसके अंतर्गत खेल अधोसंरचना निर्माण और प्रतिभाओं के चिन्हांकन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया के तहत रेजिडेंशियल अकादमियां संचालित हैं, जबकि जशपुर, रायगढ़ और रायपुर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में चयनित खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नायक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं।

जनजातीय संस्कृति, इतिहास और गौरव से जुड़ा आयोजन

मुख्यमंत्री ने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान की भूमि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधुर जैसे नायकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके सम्मान में म्यूजियम बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस म्यूजियम का अवलोकन करने का आग्रह भी किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरूआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और आने वाले वर्षों में भी यह श्रृंखला जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसे अभियानों ने खेलों को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि देश की 65 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी में अपार क्षमता है और अब खेल प्रतिभाएं केवल शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों से भी उभर रही हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान राम के ननिहाल में इस आयोजन का शुभारंभ होना अत्यंत शुभ संयोग है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज ने सदैव देश को वीरता और परिश्रम की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को नई दिशा मिल रही है और ट्राइबल गेम्स इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह आयोजन ऐतिहासिक है और देशभर से आए खिलाड़ियों के स्वागत के लिए पूरा छत्तीसगढ़ उत्साहित है।

एशियन गेम्स का पदक जीतना मेरा अधूरा सपना - मीराबाई चानू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेखोम मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन अवसर पर अपने करियर के सबसे बड़े अधूरे लक्ष्य, एशियन गेम्स पदक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब भी उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक से भारतीय वेटलिफ्टिंग की अग्रणी खिलाड़ी रही मीराबाई ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में कई पदक जीते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पदक अब तक उनसे दूर रहा है। उन्होंने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 19 वर्ष की उम्र में पदार्पण किया था, जहां वे नौवें स्थान पर रहीं। इसके बाद 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में

पीठ की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में हिप की चोट ने उनका सपना अधूरा छोड़ दिया। 31 वर्षीय मीराबाई ने कहा कि ह्लएशियन गेम्स मेरे लिए बेहद खास है। वहां प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा होता है, और यही इसे सबसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। मेरा सपना है कि मैं वहां पदक जीतूं।ह्व हालांकि, इस लक्ष्य की राह आसान नहीं है। नियमों में बदलाव के कारण उन्हें 48 किलोग्राम और 49 किलोग्राम वर्ग के बीच संतुलन बनाना होगा। वे 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किलोग्राम वर्ग में उतरेंगी, जबकि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स में 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी। उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स तक मैं 48 किलोग्राम में खेलूंगी, लेकिन एशियन गेम्स के लिए फिर से 49 किलोग्राम वर्ग में आना होगा, जो एक बड़ी चुनौती है। मीराबाई ने हाल ही में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किलोग्राम वर्ग में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने स्नैच में 89 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम वजन उठाते हुए कुल 205 किलोग्राम के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस अवसर पर उन्होंने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन देश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगा।

मुख्यमंत्री 28 मार्च को जशपुर में श्रमिकों के बैंक खाते में 27.15 करोड़ की राशि अंतरित करेंगे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के सचिव गिरीश रामटेके ने बताया कि दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत 14 हितग्राहियों को 14 लाख 32 हजार रुपए, मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत 1960 श्रमिकों को 3 करोड़ 92 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत 297 श्रमिकों को 44 लाख 55 हजार रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 20 हितग्राहियों को 20 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 325 श्रमिकों के बच्चों को 38 लाख 88 हजार 374 रुपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 3040 श्रमिकों को 6 करोड़ 08 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 71220 श्रमिकों के बच्चों को 14 करोड़ 53 लाख 96 हजार 500 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के अंतर्गत 1142 श्रमिकों को 39 लाख 50 हजार 624 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 526 हितग्राहियों को 1 करोड़ 52 लाख रुपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 784 श्रमिकों को 29 लाख 04 हजार 082 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत 9 हितग्राहियों को 9 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीघार्यु सहायता योजना के अंतर्गत 3 श्रमिकों को 60 हजार रुपए अंतरित किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पुनर्वास केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल टूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात वे पुनर्वास केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली।

युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पुनर्वासित युवाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाए तथा केंद्र से बाहर जाने से पूर्व उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाना भी सुनिश्चित किए जाएं। उपमुख्यमंत्री उनसे अपील की कि यदि उनके परिजन या पहचान के लोग जेल में निरुद्ध हैं तो वे उनसे मिल सकते हैं या वे पुनर्वास केंद्र में आकर साथियों से मुलाकात कर सकते हैं और यदि वे जेल से पुनर्वास करना चाहें तो भी शासन उनकी हर संभव मदद कर जेल से पुर्नवास कराने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केंद्र में कुल 107 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 60 बीजापुर एवं 47 दंतेवाड़ा जिले के हैं। यहां इलेक्ट्रिकल, वेल्डिंग, प्लंबिंग, सिलाई और ड्राइविंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 7 युवाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है तथा 75 युवाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है।

मुख्यमंत्री से गोवा के खेल एवं जनजातीय कल्याण मंत्री की सौजन्य भेंट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गोवा के खेल एवं युवा मामले तथा जनजातीय कल्याण मंत्री रमेश तावड़कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए तावड़कर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह एवं जशपुर के स्थानीय उत्पाद भेंट किए। मुख्यमंत्री साय ने तावड़कर से जनजातीय कल्याण और खेलों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर

चर्चा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और राज्य में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिए गौरव का विषय है।

ए.आई. विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार शिक्षा महाविद्यालय में सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में ह्लकृत्रिम बुद्धिमत्ताह्व विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। यह सेमिनार यूनिवर्सिटी छत्तीसगढ़ वीतराग रिसर्च फाउंडेशन रायपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस गरियाबंद, आर.एन.एस. शिक्षा महाविद्यालय महेंद्रगढ़ तथा के.बी. पटेल शिक्षा महाविद्यालय सरभोका (एम.सी.बी.) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सेमिनार का विषय ह्लसॉफ्ट स्किल से वास्तविक कौशल तकः ए.आई. युग में शैक्षिक भविष्य का पुनर्निर्माण ञ्च एक बहु-विषयक परिप्रेक्ष्यह्व पर रखा गया था। इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में देश-विदेश के शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक

भाग लिया। सेमिनार में कुल 878 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। कुल 112 शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 76 शोधपत्र प्रकाशित हुए तथा 83 शोधपत्रों का सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. राजेंद्र लाकपाले कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय तथा अध्यक्ष डॉ. हरमिंदर सिंह टिन्नी सभापति नगर पालिका निगम अंबिकापुर थे। विशिष्ट अतिथियों में राम लखन सिंह पैंकरा प्रदेश मंत्री, जनजातीय गौरव समाज, आलोक दुबे वरिष्ठ पार्षद, मनीष सिंह एम.आई.सी. सदस्य, मनोज गुप्ता पार्षद, मंगल पाण्डेय निदेशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसाइटी), सुश्री वंदना दत्ता समाजसेविका तथा श्रीमती अमृता जायसवाल गायत्री परिवार उपस्थित रहे। इसके साथ ही डॉ. दिव्या शर्मा चेयरपर्सन वीतराग रिसर्च फाउंडेशन रायपुर, डॉ. रोली तिवारी सलाहकार मंडल सदस्य, वीतराग रिसर्च फाउंडेशन एवं मनोविज्ञान विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, डॉ. राजीव गुप्ता डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस गरियाबंद, प्रो. संगीता श्रॉफ मैट्स यूनिवर्सिटी तथा श्रीमती भावना क्षत्रिय वीतराग विश्वास फाउंडेशन सहित कई शिक्षाविद उपस्थित रहे। अपने स्वागत उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय संत हरकेवल दास महाराज के सानिध्य में संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार है। जिसका उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा देना है। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. राजेंद्र लाकपाले ने कहा कि ए.आई. शिक्षा को सरल और आधुनिक बना सकता है, लेकिन इसका संतुलित उपयोग जरूरी है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. हरमिंदर सिंह टिन्नी ने भी ए.आई. के जिम्मेदार उपयोग पर जोर दिया। दुसरे सत्र में तकनीकी सत्र आयोजित हुआ, जिसमें डॉ. राजीव गुप्ता ने ए.आई. आधारित शिक्षा और नई संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ. राजेश श्रीवास्तव प्राचार्य साईं बाबा आदर्श महाविद्यालयने कहा कि ए.आई. और आईसीटी का उपयोग शिक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका उपयोग सही दिशा में होना चाहिए। कार्यक्रम मे प्रशिक्षार्थियों द्वारा आकर्षक लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया।

राज्यपाल से धमतरी के सुदूर वनांचल क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों ने की आत्मीय मुलाकात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में धमतरी जिले के सुदूर आदिवासी एवं वनांचल विकासखंड नगरी के विशेष प्रतिभावान स्कूली बच्चों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा और उपलब्धियों पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस समूह में शामिल 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए हुआ है, जबकि पांच बच्चों ने स्पोकन इंग्लिश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। क्षेत्र की विशेष प्रतिभा एआई वीडियो क्रिएटर सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी गरिमा साहू द्वारा तैयार वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसकी राज्यपाल डेका ने सराहना की और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने इन बच्चों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया और कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य को सामने रखकर निरंतर मेहनत और लगन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सरकारी स्कूलों के बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। राज्यपाल ने उपस्थित सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस राशि का उपयोग अपनी पढ़ाई और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करें। साथ ही, उन्हें गुल्लक भी प्रदान किए गए, ताकि उनमें नियमित बचत की आदत विकसित हो सके। इस अवसर पर राज्यपाल की उपसचिव श्रीमती निधि साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, ग्राम सरपंच, संबंधित स्कूलों के प्रधान पाठक, शिक्षक उपस्थित थे।

सम्पादकीय

धर्मांतरण रोकने में अहम साबित होगा सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि जो व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानता है, वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं हो सकता यानी वह अनुसूचित जाति के लोगों को मिलने वाले लाभ व विशेषाधिकारों का पात्र नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा की अध्यक्षता वाली दो-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाता है। पीठ ने संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के प्रावधानों का हवाला देते हुए आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का 30 अप्रैल 2025 का आदेश को बरकरार रखा और कहा कि यह स्थिति स्पष्ट है। यह फैसला भारतीय सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में दूरगामी प्रभाव डाल सकता है। यह निर्णय मूलतः उस संवैधानिक ढांचे की पुनर्पुष्टि है, जो अनुसूचित जातियों को ऐतिहासिक-सामाजिक भेदभाव के आधार पर संरक्षण देता है। अदालत का तर्क यह है कि जाति-आधारित उत्पीड़न मुख्यतः उन धर्मों की सामाजिक संरचना से जुड़ा है, जहां जाति व्यवस्था मौजूद है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति ईसाई या इस्लाम जैसे धर्म को अपनाता है, जहां सैद्धांतिक रूप से जाति व्यवस्था नहीं मानी जाती तो उसे अनुसूचित जाति के विशेष अधिकारों जैसे आरक्षण व कानूनी संरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इस फैसले का पहला बड़ा प्रभाव आरक्षण व्यवस्था पर पड़ेगा। ऐसे लोग जिन्होंने धर्म परिवर्तन किया है लेकिन अभी तक एससी प्रमाणपत्र रखते हैं, अब कानूनी रूप से उन लाभों के पात्र नहीं रहेंगे। इससे शिक्षा, सरकारी नौकरियों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में उनकी स्थिति प्रभावित हो सकती है। यह प्रशासनिक स्तर पर भी चुनौती पैदा करेगा, क्योंकि कई मामलों में धर्म परिवर्तन के बाद भी जाति प्रमाणपत्र रद्द नहीं किए जाते। दूसरा महत्वपूर्ण प्रभाव अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के उपयोग पर पड़ेगा। इससे ऐसे मामलों में कमी आ सकती है, जहां आरोप लगाया जाता रहा है कि कानून का दुरुपयोग हुआ। हालांकि इसके साथ ही यह चिंता भी उठेगी कि धर्म परिवर्तन कर चुके दलितों के साथ होने वाले भेदभाव को अब किस कानूनी ढांचे में संबोधित किया जाएगा। तीसरा पहलू सामाजिक और राजनीतिक बहस का है। लंबे समय से यह मुद्दा उठता रहा है कि धर्म परिवर्तन के बावजूद सामाजिक भेदभाव समाप्त नहीं होता। ऐसे में यह निर्णय इस बहस को और तेज कर सकता है कि क्या एससी दर्जा केवल धर्म से जुड़ा होना चाहिए या सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर तय होना चाहिए। यह फैसला केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह सरकार और समाज दोनों के सामने यह चुनौती रखता है कि वे धर्म परिवर्तन कर चुके दलितों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए एक संतुलित और समावेशी नीति तैयार करें, ताकि समानता और न्याय के संवैधानिक आदर्शों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। हालांकि यह फैसला भविष्य में धर्मांतरण पर रोक लगाने में भी मील का पत्थर साबित हो सकता है। अनेक बार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां पर प्रलोभन देकर अनुसूचित जाति के लोगों का धर्मांतरण कराने का आरोप लगा है। इस फैसले से एससी वर्ग के लोग धर्मांतरण करने से बचेंगे।

विजन

प्रेम प्रकाश

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था पर जोर बढ़ा रहा है भारत

स्टैनफोर्ड ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रिपोर्ट 2025 में एआई प्रतिस्पर्धात्मकता एवं बेहतर इकोसिस्टम के लिहाज से भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है। इसी तरह गिटहब पर एआई परियोजनाओं के मामले में हम दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता हैं। इसके आगे के सफर के लिए भी देश पूरी तरह मुस्तैद है। केंद्र सरकार ने इंडिया एआई मिशन के लिए 10,372 करोड़ रुपये के विशाल परिव्यय की घोषणा करके पहले ही साफ कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता बनना चाहता है। अच्छी बात यह है कि तमाम राज्य सरकारों ने खासतौर पर नए वित्तीय वर्ष के लिए अपने बजटीय प्रावधानों में केंद्र के इस विजन को स्थान दिया है। जिस राज्य ने खासतौर पर अपने बजटीय प्रावधानों से चौंकाने का क्रम जारी रखा है, वह है गुजरात। प्रदेश की भूपेंद्र पटेल सरकार ने इस बार के बजट में गिफ्ट सिटी के विस्तार के माध्यम से एआई के क्षेत्र में वैश्विक निवेश आकर्षित करने पर जिस तरह जोर दिया है, वह दिखाता है कि गुजरात का विकास मॉडल भविष्य में सशक्त होने के साथ स्मार्ट भी होगा।

गुजरात ने अपनी नई आईटी और आईटीईएस नीति के तहत एआई परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन की घोषणा की है। बजट में सेमीकंडक्टर और एआई चिप डिजाइनिंग को लेकर गुजरात को देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद हैदराबाद के अलग हो जाने से आंध्र प्रदेश के सामने लगातार यह चुनौती रही है कि अमरावती को वह इस रूप में विकसित करे कि नई राजधानी के साथ एक बड़े आईटी व एआई हब के रूप में भी उसकी पहचान स्थापित हो। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बजट में अमरावती को भविष्य की एआई राजधानी बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। राज्य सरकार ने बजट में कौशल विकास केंद्रों को एआई स्किलिंग लैब में बदलने के लिए विशेष फंड की घोषणा की है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य, जो पहले से

ही आईटी हब रहे हैं, उन्होंने अब अपना ध्यान जेनरेटिव एआई पर केंद्रित किया है। कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरु को वैश्विक स्तर पर एआई कैपिटल की पहचान दिलाने के लिए बजट में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विस्तार का प्रस्ताव दिया है। इसी तरह कर्नाटक के बजट में स्टार्टअप्स के लिए एआई-एज फंड की घोषणा की गई है। वहीं, महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई और पुणे में एआई डेटा केंद्रों के निर्माण के लिए स्टांप ड्यूटी में छूट और बिजली सब्सिडी जैसे बजटीय प्रावधान किए हैं। बात करें देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने लखनऊ में भारत की पहली एआई सिटी के निर्माण को बजट की सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया है। योगी सरकार को भरोसा है कि राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में एआई सिटी एक इंजन के रूप में काम करेगी। राज्य सरकार ने नोएडा को एक ग्लोबल डेटा सेंटर हब के रूप में विकसित करने के लिए भी अतिरिक्त बजट दिया है, जो एआई एल्गोरिद्म को प्रोसेस करने के लिए रीढ़ की हड्डी का काम करेगा। यूपी से लगा राज्य है बिहार। यह प्रदेश अब केवल पारंपरिक कृषि या श्रम-आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आईटी पॉलिसी 2024 और नई बजट घोषणाओं के बूते वह विकास के साथ प्रशासनिक ढांचे में बड़े सुधार की दिशा में बढ़ना चाहता है। राज्य सरकार ने एआई और मशीन लर्निंग के माध्यम से राज्य के राजस्व संग्रह को पारदर्शी बनाने और बाढ़ प्रबंधन जैसे गंभीर संकटों के समाधान के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए हैं। साथ ही प्रदेश की राजधानी पटना में एक अत्याधुनिक आईटी पार्क और डेटा सेंटर की स्थापना के लिए राशि आवंटित की गई है, जिसका मकसद युवाओं को डेटा एनोटेशन और एआई विकास में रोजगार देना है।

यह देखना खासा दिलचस्प है कि बीते एक दशक में जिस सहकारी संघवाद की चर्चा खूब हुई है, वह विकास के क्षेत्र में आज सहयोग और समन्वय का ऐसा मॉडल बनकर उभरा है। विचार, परंपरा और भूगोल तक की अनेक असमानताओं और चुनौतियों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए क्षेत्र में भारत आज यदि एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है तो यह नए भारत का दमखम ही नहीं, उसका नया आत्मपरिचय भी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पेट्रो समस्या और आज का भारत

आर्थिकी

बृजेश कुमार द्विवेदी

अब भारत किसी एक क्षेत्र या देश पर पूरी तरह निर्भर नहीं है। मध्य-पूर्व के पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ रूस, अमेरिका और अन्य क्षेत्रों से आयात की नीति ने जोखिम को काफी हद तक संतुलित किया है। यह रणनीति वैश्विक संकटों के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार है। भारत आज न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इससे आपूर्ति श्रृंखला अधिक लचीली और सुदृढ़ बनी है। इसके साथ ही भारत ने रणनीतिक तरीके से पेट्रोलियम भंडार को सुदृढ़ किया है। यह कहना उचित होगा कि इतिहास ने भारत को सावधान रहना सिखाया है

भारत ने ऊर्जा अस्थिरता का दौर पहले भी देखा है। विशेष रूप से 1973 में तेल समस्या के समय, जब तेल उत्पादक देशों द्वारा आपूर्ति सीमित कर दी गई थी, दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं हिल गईं थीं। उस दौर में भारत आयात पर निर्भर था और देश के पास न तो पर्याप्त भंडारण था और न ही विविध आपूर्ति के स्रोत थे इसलिए गंभीर दबाव में आ गया था। तब महंगाई बढ़ी, आर्थिक विकास प्रभावित हुआ और ऊर्जा सुरक्षा की सीमाएं स्पष्ट हो गईं, लेकिन पांच दशकों में भारत की स्थिति में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। आज का भारत उस समय के भारत से कई मायनों में अलग है- नीतिगत रूप से भी और संरचनात्मक रूप से भी। सबसे बड़ा बदलाव ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण है। अब भारत किसी एक क्षेत्र या देश पर पूरी तरह निर्भर नहीं है।

मध्य-पूर्व के पारंपरिक स्रोतों के साथ-साथ रूस, अमेरिका और अन्य क्षेत्रों से आयात की नीति ने जोखिम को काफी हद तक संतुलित किया है। यह रणनीति वैश्विक संकटों के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार है। भारत आज न केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है, बल्कि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इससे आपूर्ति श्रृंखला अधिक लचीली और सुदृढ़ बनी है। इसके साथ ही भारत ने रणनीतिक तरीके से पेट्रोलियम भंडार को सुदृढ़ किया है। अतीत में इसकी अनुपस्थिति ने संकट को गहरा किया था, लेकिन आज भारत ने आपात स्थितियों से निपटने के लिए भंडारण की मजबूत व्यवस्था विकसित की है। यह किसी भी अचानक वैश्विक झटके के समय देश को आवश्यक समय और स्थिरता प्रदान करता है। पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी आईईए ने कहा कि संघर्ष के कारण वैश्विक तेल बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी आपूर्ति बाधा उत्पन्न हुई है, जो 1970 के दशक के संकट को भी पार कर गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में अपने अपने संबोधन में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का उल्लेख किया, जो वैश्विक तेल व्यापार की सबसे महत्वपूर्ण जीवन रेखा मानी जाती है। भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से मंगवाता है। युद्ध की वजह से इस रास्ते पर जहाजों का आवागमन बेहद चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा हो गया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत की 60 प्रतिशत एलपीजी का आयात करता है, इसलिए आपूर्ति में जरा सी भी अनिश्चितता देश के करोड़ों रसोईघरों के बजट को बिगाड़ सकती है।

सरकार का मुख्य फोकस इसी बात पर है कि युद्ध के बावजूद सामान्य परिवारों तक गैस और पेट्रोल-डीजल की पहुंच बाधित न हो। गैस क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, एलएनजी टर्मिनलों की स्थापना और सिटी गैस वितरण व्यवस्था ने ऊर्जा की पहुंच को अधिक व्यापक

और विश्वसनीय बनाया है। फिर भी, यह मान लेना कि भारत पूरी तरह सुरक्षित है, यह भी उचित नहीं होगा। देश अभी भी अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है और अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर घरेलू बाजार पर पड़ता ही है। युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है। यही कारण है कि आत्मनिर्भरता और वैकल्पिक ऊर्जा पर जोर पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

ओएनजसी समेत पेट्रो से सम्बंधित संस्थाओं के माध्यम से घरेलू उत्पादन बढ़ाने के प्रयास और सौर, पवन तथा ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्पों में निवेश, भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा की दिशा तय करेंगें। आज का भारत 1970 के दशक के संकटग्रस्त भारत से कहीं अधिक सक्षम, सजग और तैयार है। प्रधानमंत्री का आश्वासन इसी बदले हुए परिदृश्य का संकेत है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए भारत ने जमीन के नीचे कच्चे तेल का विशाल भंडार तैयार किया है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व जिसे एसपीआर कहा जाता है। वर्तमान में भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा कच्चा तेल सुरक्षित रखा हुआ है। यह भंडार मुश्किल वक्त में देश की लाइफ लाइन साबित हो सकता है। इसके अलावा, सरकार 65 लाख मीट्रिक टन की अतिरिक्त भंडारण क्षमता विकसित करने पर भी तेजी से काम कर रही है। यह सरकारी रिजर्व तेल कंपनियों के पास मौजूद अपने निजी स्टॉक से बिल्कुल अलग है, जो केवल राष्ट्रीय संकट के समय इस्तेमाल के लिए सुरक्षित रखा गया है। संसद में प्रधानमंत्री ने ये भी बताया कि सरकार न केवल मौजूदा स्टॉक को मैनेज कर रही है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए फर्टिलाइजर और कच्चे तेल के नए स्रोतों की तलाश भी कर रही है। तेल कंपनियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पास पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखें, ताकि किसी भी अल्पकालिक बाधा का असर आम जनता पर न पड़े। आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की संप्रभुता उसकी एनर्जी सिक्योरिटी यानी ऊर्जा सुरक्षा पर टिकी है। भारत जिस तरह से अपने पेट्रोलियम रिजर्व को बढ़ा रहा है और नए देशों के साथ व्यापारिक संबंध जोड़ रहा है, वह भविष्य के किसी भी बड़े तेल संकट के खिलाफ एक मजबूत ढाल है। यदि पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता भी है, तो भारत के पास कई महीने तक देश चलाने के लिए पर्याप्त बैकअप प्लान मौजूद है।

वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में पेट्रोलियम की कमी के चलते त्राहि-त्राहि मची हुई है। सरकारी कार्यालय हफ्ते में चार दिन खुल रहे हैं, पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, वहीं बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल गैस के दाम आसमान छू रहे हैं और जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि भारत में ऐसा कुछ भी नहीं है। अंततः, यह कहना उचित होगा कि इतिहास ने भारत को सावधान रहना सिखाया है और वर्तमान ने उसे सक्षम बनाया है। यदि यही संतुलन-सतर्कता और तैयारी-बनी रहती है तो वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखने में हर कीमत पर सफल रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

धन्वंतरि का ध्यान कर स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट रहें

धन त्रयोदशी या धनतेरस पर्व की विशेषता यही है कि उस दिन आप यह मानें कि आप जो चाहते हैं, वह धन आपके पास है। केवल सोना-चांदी ही धन नहीं है, ज्ञान भी धन है। यह सबसे बड़ा धन है। आपको अपने ज्ञान को संजोना चाहिए और प्रचुरता का अनुभव करना चाहिए। जीवन में धन्यभागी अनभव करना, कृतज्ञता का अनभव करना सबसे बडा धन

है, जिनमें कृतज्ञता का अभाव होता है, वे धनी नहीं होते हैं। स्वास्थ्य भी धन है। स्वास्थ्य यदि ठीक नहीं, तो भौतिक धन का क्या उपयोग हो सकता है। धन त्रयोदशी देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि की जयंती भी है। कहा जाता है कि वह समुद्र मंथन में अमृत का कलश लेकर प्रकट हुए थे। अतः धन त्रयोदशी पर धन्वंतरि का ध्यान कर अपने स्वास्थ्य के प्रति भी सचेष्ट रहें। योग व ध्यान करें। आपके पास जो मानव शरीर है, यह भी तो ईश्वर का दिया बड़ा उपहार है। यह भी धन है। हमारी चेतना में ऐसा गुण है कि जो बीज आप बोते हैं, वही प्रकट होता है। यदि आप यह सोचें कि वर्तमान में मेरे पास पर्याप्त धन है, तब आप धन के पीछे पागल नहीं होते। जब आप सोचते हैं कि मेरे पास पर्याप्त धन है, चेतना में धैर्य आता है, हिम्मत आती है। कहा गया है, उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः, जिसका अर्थ है, जो मेहनत करता है और शेर जैसा निर्भय होकर चलता है, लक्ष्मी भी उसी के पास आती हैं। धनतेरस के दिन अपनी चेतना से 'अभाव के भाव' को उखाड़ कर फेंक दीजिए। अपने मन से, 'मैं विपन्न हूं, मैं भिखारी हूं' ये सब बातें हटा दीजिए।

संकलित

दर्शन

कभी भी अपने पद और धन का घमंड न करें

देवताओं के कोषाध्यक्ष को एक दिन अपने पद और धन का घमंड हो गया है। इसी घमंड में वे शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी को सपरिवार अपने महल में खाने के लिए निमंत्रण दिया। शिवजी ने कहा कि मैं तो कहीं आता-जाता नहीं हूं, आप एक काम करें, गणेश को अपने साथ ले जाएं। खाने का निमंत्रण पाकर गणेश जी कबेर के महल पहंच

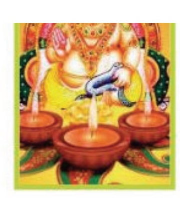

गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया। गणेश जी खाने बैठे तो वे खाए जा रहे थे, थोड़ी ही देर में कुबेर की रसोई का पूरा खाना खत्म हो गया। गणेश जी ने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। गणेश जी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर ने गणेश जी के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि अब तो मेरे घर का सारा खाना खत्म हो गया है। गणेश जी ने कहा कि लेकिन मेरी भूख तो अभी शांत ही नहीं हुई है। मुझे अपने रसोईघर में ले चलो। कुबेर गणेश जी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी सभी चीजें गणेश खा गए। उन्होंने शिव जी को पूरी बात बता दी। शिव जी ने गणेश जी से कहा कि जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ। मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा कि मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। पार्वती अपने रसोईघर में गईं और खाना बनाकर ले आईं। उन्होंने जैसे ही गणेश जी को अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश तृप्त हो गए। मां और खिलाने लगी तो गणेश जी ने कहा, मां मेरा पेट भर गया है। ये सब देखकर कुबेर देव का घमंड टूट गया और उन्हें अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने सभी से क्षमा मांगी।

संकलित

प्रेरणा

विरोध

मुंबई। प्रस्तावित वधवन बंदरगाह परियोजना का लोग विरोध कर रहे हैं। किसानों, मछुआरा समुदाय के सदस्यों और विभिन्न पर्यावरण संगठनों ने यहां विरोध में रैली निकाली जिसमें एक महिला सिर पर भारी भरकम मछली का प्रतीक रखे हुए दिखाई दे रही है।

आज की पाती

मोदी ने तोड़ा चामलिंग का रिकॉर्ड

भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जो इतिहास का स्थायी हिस्सा बन जाते हैं। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पड़ाव तब सामने आया जब नरेंद्र मोदी देश में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर 8931 दिनों तक शासन का नेतृत्व करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के बदलते स्वरूप का भी संकेत है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के लंबे समय तक बने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो स्वयं स्थिर शासन और विकास के प्रतीक माने जाते रहे हैं। नरेंद्र मोदी का यह सफर साधारण परिस्थितियों से शुरू होकर असाधारण ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी है।

- विनती, सोनीपत

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका के एक प्रांत में हिंदू संगठन की सराहना

दक्षिण अफ्रीका के गौटेंग प्रांत के प्रमुख के कार्यालय ने देश में सामाजिक सामंजस्य व मानवतावाद को बढ़ावा देने में प्रमुख हिंदू संगठन 'एसए हिंदूज' की भूमिका की सराहना की। जोहानिसबर्ग के लीनासिया में आयोजित संगठन के 10वें वार्षिकोत्सव समारोह के मौके पर उसकी यह सराहना की गई। गौटेंग के प्रमुख पनयाजा लेसुफी का प्रतिनिधित्व करने वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने 'एसए हिंदूज' की संस्थापक पंडिता लूसी की भूमिका की भी प्रशंसा की और बताया कि उनकी योजनाएं प्रशासन की योजनाओं से मेल खाती हैं। लेसुफी खुद इस समारोह में शामिल नहीं हो सके। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उनाथी एमफेंडु ने कहा, 'हम यह भी देख रहे हैं कि देश में भ्रष्टाचार के मुद्दों का हल कैसे निकाला जा सकता है, और पंडिता लूसी भी इसी तरह काम कर रही हैं। यही कारण है कि हम यहां उन्हें अपना समर्थन देने आए हैं।' उन्होंने 'एसए हिंदूज' की ओर से जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया, जिनमें खाद्य सामग्री वितरण और सामाजिक एवं कल्याण से जुड़ी सहायता शामिल हैं।

ऑफ बीट

मनुष्य मृत्यु के बाद के जीवन से आकर्षित रहा

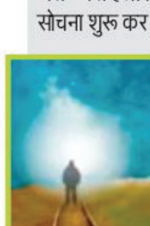

जैसे-जैसे हैलोवीन करीब आता है, हम भूतों, राक्षसों और पिशाचों के बारे में सोचना शुरू कर देते हैं। लेकिन मृत्यु के बाद के जीवन और दूसरी दुनिया के प्रति आकर्षण कोई नई बात नहीं है : दुनिया भर की भूत की कहानियां साबित करती हैं कि यह प्रागैतिहासिक काल से मानव अनुभव का हिस्सा रहा है। 5,000 साल पहले लेखन के आविष्कार से पहले भी, मनुष्यों को उन सामानों के साथ दफनाया जाता था जो उनके बाद के जीवन में उपयोगी हो सकते थे, जैसे पीने के बर्तन या हथियार। यद्यपि प्रागैतिहासिक कब्र के सामान के अर्थ के बारे में कुछ बहस है, मेसोपोटामिया के भूत विशेषज्ञ इरविंग फिंकेल दृढ़ता से तर्क देते हैं कि वे एक विश्वास को प्रतिबिंबित करते हैं कि मृत व्यक्ति का कुछ हिस्सा अगले जीवन में बना रहेगा। मेसोपोटामिया, एक ऐतिहासिक क्षेत्र जो मोटे तौर पर आधुनिक इराक के क्षेत्र में स्थित है, दुनिया के कुछ महान साम्राज्यों का घर था। प्राचीन मेसोपोटामिया के भूत और राक्षस शायद आज डरावनी फिल्मों में अपनी उपस्थिति के कारण सबसे ज्यादा जाने जाते हैं। घोस्टबस्टर्स (में, सिगोरनी वीवर्स के दाना को ज़ूल अपने कब्जे में कर लेता है, जो काल्पनिक देवता गोजर का एक सेवक है, जिसे फिल्म की पृष्ठभूमि में सुमेरियों द्वारा एक देवता के रूप में पूजा जाता था।

X ट्रेंड f

स्थापना दिवस की बधाई

असम राइफल्स के वीर जवानों, उनके परिवारों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। वे पूर्वोत्तर के दुर्गम इलाकों में हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं, मानवीय सहायता के माध्यम से समुदायों में विश्वास कायम करते हैं।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

नारी सशक्तिकरण

प्रत्येक जिले में गर्ल्स हॉस्टल की व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रावधान नारी सशक्तिकरण को नई दिशा प्रदान करेगा और बेटियों को सुरक्षित व बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराएगा। विभिन्न योजनाओं तथा वित्तीय समावेशन के ये प्रावधान उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त करेंगे।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

रानी हाट

दिल्ली में "रानी हाट" स्थापित किए जाएंगे, जहां हमारी बहनें अपने हुनर, अपने उत्पाद और अपने उद्यम को एक सशक्त पहचान दे सकेंगी। सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से हर बहन को आत्मनिर्भर बनाने, हर हाथ को सशक्त करने और हर परिवार को संबल देने का यह प्रयास है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

हॉकी एशियन चैंपियनशिप

पंजाब में पहली बार हॉकी एशियन चैंपियनशिप होने जा रही है। इस उपलब्धि के पीछे पंजाब सरकार और सीएम भगवंत मान की कड़ी मेहनत है और इसी मेहनत के दम पर पंजाब अब हर क्षेत्र में अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

खबर संक्षेप

सात सिविल सर्जन सहित 17 का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने पांचों प्रमंडलों में क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं (आरडीडी) और सात जिलों में सिविल सर्जनों का स्थानांतरण-पदस्थापन किया है। स्वास्थ्य निदेशालय में तीन निदेशकों सहित कुल 19 चिकित्सा पदाधिकारियों को बदला गया है। झारखंड स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल देखने को मिली है, तीन निदेशक, 7 सिविल सर्जन सहित 17 का तबादला किया गया है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

पूर्णिया। पूर्णिया में एक सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। शोरूम के पास हुआ। मृतक की पहचान रौतारा थाना क्षेत्र के चुरबि घाट निवासी अब्दुल शेख ,पिता-अलाउद्दीन शेख के रूप में हुई है।

खौलते पानी से झुलसा भांजा, मामी पर आरोप

दरभंगा। दरभंगा के बिरौल थाना क्षेत्र के शेखपुरा गांव में गर्म पानी से जलकर तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी घायलों को पहले बिरौल पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक, गांव में बच्चों को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी दौरान यह घटना हुई। घायल युवक के पिता मुजाहिद इस्लाम ने आरोप लगाया कि उनकी सरहज (रिश्तेदार) ने उनके बेटे पर खौलता हुआ गर्म पानी उड़ेल दिया।

रामलला को छह क्विंटल पंजीरी का लगेगा भोग

अयोध्या के राम मंदिर में राम नवमी पर रामलला की होगी महाआरती, सूर्य तिलक की भी तैयारी, मनेगा जन्मोत्सव

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या के राम मंदिर में रामनवमी का पर्व 27 मार्च को मनाया जाएगा। चैत्र शुक्ल महाअष्टमी की तिथि 26 मार्च को अपराह्न 2.11 बजे समाप्त होकर 27 मार्च को मध्याह्न 12.02 बजे तक रहेगी। इसके कारण 27 मार्च को ही मध्याह्न 12 बजे रामलला के प्राकट्य की महाआरती उतारी जाएगी। इस अवसर पर रामलला के पंचामृत सहित दिव्य औषधियों से अभिषेक व श्रृंगार के साथ प्राकट्य की महाआरती व सूर्य तिलक का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। राम मंदिर परिसर में पांच दर्जन से अधिक स्थानों पर एलईडी स्क्रीन लगाई गयी है। इसके अलावा दूरदर्शन पर भी सीधा प्रसारण होगा जिसे श्रद्धालु गण अपने -अपने घरों पर भी देख सकेंगे। रामनवमी के पावन अवसर पर इस वर्ष श्री राम जन्मभूमि मंदिर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। राम जन्मोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर सकें। इस दिन राम मंदिर पूरे दिन खुला रहेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि रामनवमी के दिन प्रातः 6:30 बजे से अनुष्ठान शुरू होकर सुबह 11:00 बजे तक चलेंगे।

इस विशेष दिन मंदिर के कपाट पूरे दिन खुले रहेंगे और उन्हें बंद नहीं किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। आवश्यकता पड़ने पर दर्शन की अवधि को और बढ़ाया भी जा सकता है। दोपहर ठीक 12:00 बजे भगवान रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा

चैत्र रामनवमी मेला भी लगेगा

पुरातन काल से रामनगरी में चैत्र रामनवमी मेले का आयोजन होता रहा है और हर मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ भी उमड़ती रही। मेले में आने वाले ज्यादातर लोग राम के जन्मोत्सव का साक्षी होने को लालायित रहते हैं,जिसके चलते कनक भवन में भारी भीड़ उमड़ती है। अब राम जन्मोत्सव राममंदिर परिसर में भी आयोजित होने लगा है, लेकिन इसमें शामिल होने वालों की तादात सीमित होती है। इस बार भी राममंदिर के गर्भगृह में भव्यता के साथ जन्मोत्सव मनाये जाने की तैयारी है। रामलला के दर्शन-पूजन के लिए रोजाना अच्छी खासी भीड़ आ रही है और मेले के मुख्य पर्व पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने के उम्मीद जताई जा रही है।

लगेगा पंजीरी का विशेष भोग

रामलला को इस अवसर पर करीब छह क्विंटल पंजीरी का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। साथ ही मंदिर परिसर में इन दिनों "बधाई गान" का आयोजन लगातार चल रहा है, जिससे भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। जन्मोत्सव के दिन राम परिवार के दरबार में भी बधाई गान होगा।

सूर्य तिलक भी होगा

तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा अनिल मिश्र कहते हैं कि इन उपकरणों के सहारे मध्याह्न ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणें परावर्तित होकर भगवान के ललाट पर पड़कर तिलक का स्वरूप धारण करेंगी। उन्होंने बताया कि यह दृश्य करीब चार मिनट तक देखा जा सकेगा । उन्होंने बताया कि इसका सीधा प्रसारण दूरदर्शन व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

रामनवमी 27 को मनाई जाएगी

नवरात्र की अष्टमी तिथि 26 मार्च यानि गुरुवार को तथा नवमी यानि रामनवमी 27 मार्च को मनाई जाएगी। बताया कि इस बार नवरात्र नौ दिनी है। बताया कि दुर्गा अष्टमी पूजन के समय देवी दुर्गा के सभी नौ रूपों की पूजा की जाती है। अष्टमी का व्रत 26 मार्च को रखेंगे। बताया कि मातारानी के पूजन के लिए कलश स्थापना भी अष्टमी तिथि को सूर्यास्त के बाद रखकर पूजन किया जायेगा। नौ दिन व्रत रखने वाले भक्त 28 मार्च को सुबह 10 बजे के बाद पारण कर सकेंगे।

सीएम योगी का बड़ा फैसला

मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यूपी में रामनवमी पर दो दिन का अवकाश घोषित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी के अवसर पर दो दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। यह फैसला प्रदेशवासियों के लिए एक बड़ा तोहफा है। अब 26 और 27 मार्च को राज्य में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा तोहफा देते हुए नवमी के अवसर पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्देश दिया है। उत्तर प्रदेश में अब 26 के साथ ही 27 मार्च को सार्वजनकि अवकाश होगा। मंदिरों में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सीएम योगी निर्णय लिया है। रामनवमी पर लगातार दो दिन का अवकाश रहेगा। चैत्र रामनवमी को विभिन्न स्थानों पर आयोजित राम मेले के चलते तीन दिनों तक लखनऊ-अयोध्या रोड पर बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। इस दौरान मालवाहक भारी वाहन, ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर आदि को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा रहा है।

डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी के मुताबिक, 27 मार्च तक डायवर्जन रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर विभाग के हेल्पलाइन नंबर 9454405155 पर भी संपर्क किया जा सकता है। आपातकालीन सेवाओं में लगे वाहनों को आवश्यकता अनुसार डायवर्जन में छूट दी जाएगी।

यह रहेगा बदलाव

- सीतापुर रोड की तरफ से आने वाली बसें/बड़े/भारी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन इन्दौराबाग किसानपथ अंडर पास (सीतापुर रोड) से किसान पथ होते हुये सुलतानपुर रोड से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे होकर जाएंगे।
- हरदोई रोड की तरफ से आने वाले भारी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन बाजपुर किसानपथ अंडरपास (हरदोई रोड) से किसान पथ होते हुये पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जाएंगे।
- आगरा एक्सप्रेस वे से आने वाले भारी वाहन खुशहालगंज किसानपथ अंडरपास से किसान पथ होते पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की तरफ से जाएंगे।
- कानपुर की तरफ से आने वाली बसें/बड़े/भारी वाहनों का बाराबंकी/अयोध्या की तरफ जाना प्रतिबन्धित रहेगा। यह वाहन जुनाबगंज मोड़, मोहनलालगंज कस्बा तिराहे से दाहिने बछरावां से हैदरगढ़ और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे होते हुए जाएंगे।

मथुरा से अयोध्या भेजा गया प्रसाद

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से रामनवमी पर भगवान श्रीराम को अर्पण करने के लिए प्रसाद अयोध्या भेजा गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के एक पदाधिकारी और संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि 11 मन (440 किलोग्राम) धनिया की पंजीरी, सवा मन (50 किलोग्राम) लड्डू तथा वस्त्र, फल आदि साम्रगी एक सजे-धजे वाहन में अयोध्या भेजी गई और इस दौरान भजन-कीर्तन में संस्थान के सदस्यों एवं भक्तजन ने भाग लिया। कपिल शर्मा ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से भगवान का भोग लगाया जाएगा.

ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना' से गांव-गांव पहुंचेगी बसें

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, 2026' के तहत 12 हजार से अधिक ऐसे गांवों तक बस सेवा पहुंचाई जाएगी, जहां अब तक सार्वजनिक परिवहन का कोई साधन उपलब्ध नहीं था। यह पहल गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार से जोड़ने का व्यापक प्रयास है। यह योजना ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। बस चालक और सहायक स्टाफ की भर्ती स्थानीय स्तर पर की जाएगी।

विकास का नया मॉडलः सड़क के साथ परिवहन भी जरूरी

लखनऊ से शुरू हुई इस योजना के जरिए सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब विकास का अर्थ केवल सड़क निर्माण नहीं, बल्कि उस पर नियमित और भरोसेमंद परिवहन सुनिश्चित करना भी है। आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण परिवहन पर घरेलू खर्च 2011-12 में 4.2% था, जो 2022-23 में बढ़कर 7.5% हो गया है।

छोटे गांवों के लिए छोटी बसें

योजना के तहत प्रदेश की 59 हजार से अधिक ग्राम सभाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि लगभग 5 हजार ऐसे गांव, जहां बड़ी बसें नहीं पहुंच सकतीं, वहां 28 सीटों तक की छोटी बसें चलाई जाएंगी। हर ग्राम पंचायत में दिन में कम से कम दो बार बस सेवा सुनिश्चित की जाएगी। सुबह 10 बजे से संचालन शुरू होकर रात 8 बजे तक बसों की वापसी अनिवार्य होगी।

जिला स्तर पर निगरानी व्यवस्था

योजना के प्रभावी संचालन के लिए जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में समितियां बनाई जाएंगी, जो किराया निर्धारण और सेवा की निगरानी करेंगी। बसों का रात तक गांव लौटना अनिवार्य होगा, जिससे सेवा की नियमितता बनी रहे। इस पहल से करीब 1.5 करोड़ छात्रों को स्कूल और कॉलेज पहुंचने में आसानी होगी, जिससे ड्रॉपआउट दर में कमी आने की उम्मीद है।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, जानलेवा हमले के आरोप में 5 गिरफ्तार

गोरखपुर। जनपद के थाना चिलुआताल क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक रूप ले बैठा, जिसमें वादी पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है।

शीशमहल की कैग रिपोर्ट पर घेरा

प्रवेश वर्मा ने केजरी की तुलना रहमान डकैत से की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में बुधवार को बजट सत्र के तीसरे दिन शीशमहल पर पेश की गई कैग रिपोर्ट पर चर्चा हुई। शीशमहल की कैग रिपोर्ट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। वहीं, मंत्री प्रवेश वर्मा ने अरविंद केजरीवाल की तुलना फिल्म 'धुरंधर 2' के रहमान डकैत से की है।

■ दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र का तीसरा दिन

सीएम रेखा गुप्ता ने केजरीवाल के अलावा उनके मंत्रियों द्वारा अपने-अपने सरकारी बंगलों में रिनोवेशन पर खर्च किए गए सरकारी पैसे का भी ब्यौरा सदन में पेश किया। वर्मा ने कहा कि रिपोर्ट में निर्माण कार्य में गंभीर खामियों को उजागर किया गया है। एक लोकप्रिय फिल्म 'धुरंधर' रिलीज हुई थी। अरविंद केजरीवाल 'रहमान डकैत' थे, जिन्होंने दिल्ली के पैसों पर डाका डाला लेकिन हमारी 'धुरंधर' जनता ने पिछले साल ऐसे 'डकैत' को हरा दिया।"

बारामती और मुंबई पुलिस के इनकार पर कर्नाटक पहुंचे रोहित पवार

अजित पवार प्लेन क्रैश की बेंगलुरु में जीरो एफआईआर

एजेंसी ▶▶ मुंबई=

पुणे, बारामती और मुंबई समेत महाराष्ट्र में अजित पवार विमान दुर्घटना मामले में केस दर्ज कराने में असफल रहे शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार को इस मामले में कर्नाटक में सफलता मिली है। उन्होंने बेंगलुरु पुलिस में इस केस की जीरो एफआईआर दर्ज कराई है। बारामती में 28 जनवरी को अजित पवार के प्लेन क्रैश के मामले में शेषाद्रीपुरम पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हो गया है। केस दर्ज कराने के बाद रोहित पवार मुंबई पहुंचे और पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। रोहित पवार ने मंगलवार को ही विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था। इस मामले में दिवंगत अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने इंडियन सिविल प्रोटेक्शन कोड, 2023 के सेक्शन 173(1) के तहत 'जीरो एफआईआर' के तौर पर शिकायत दर्ज कराई थी।

बेंगलुरु पुलिस ने डीजी को भेजी एफआईआर

रोहित पवारने कहा कि हमने महाराष्ट्र में कई जगहों पर केस रजिस्टर करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी, फिर हम कर्नाटक गए। कर्नाटक सरकार न्याय दिलाने के लिए आगे बढ़ी है। उन्होंने जीरो एफआईआर दर्ज करके DG को भेज दी है। रोहित ने कहा कि अजित पवार के प्लेन क्रैश के बारे मेंकेस रजिस्टर कर लिया गया है। हमने जो कर सकते थे, किया, फॉलोअपकिया।

जेंडर के स्वयं-निर्धारण का अधिकार हटाना उद्देश्य

संसद में ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक पारित

नई दिल्ली। संसद ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पारित किया। राज्यसभा ने बुधवार को इस विधेयक को ध्वनि मत से पारित कर दिया। लोकसभा ने इसे मंगलवार को ही मंजूरी दे दी थी।

डीएमके सांसद तिरुचि शिवा द्वारा विधेयक को एक प्रवर समिति के पास भेजने के लिए पेश किया गया प्रस्ताव खारिज किया गया। इस विधेयक में प्रस्तावित विवादास्पद संशोधन यह है कि यह जेंडर के स्वयं-निर्धारण के अधिकार को छीन लेता है।

वित्त विधेयक लोस से पारित

वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में 32 सरकारी संशोधनों को शामिल करने के बाद पारित हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत तेजी से सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। देश में सुधार स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और लगातार आगे बढ़ रहा है।

बलात्कार मामले में कार्रवाई

'आप' नेता पठानमाजरा ग्वालियर से गिरफ्तार

पटियाला । पंजाब पुलिस ने बलात्कार के एक मामले में छह महीने से अधिक समय से फरार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

■ सनौर से विधायक को पटियाला वापस लाया गया

अधिकारियों ने बताया कि पहली बार विधायक बने पठानमाजरा को मंगलवार रात ग्वालियर से पकड़ा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (पटियाला) वरुण शर्मा ने बताया कि सनौर से विधायक पठानमाजरा को पटियाला वापस लाया गया है और उन्हें यहां की अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने दुष्कर्म, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी देने के आरोप में पठानमाजरा के खिलाफ यहां सिविल लाइंस थाने में एक सितंबर 2025 को मामला दर्ज किया था।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. अ-2/2026-27

ग्राम टुकूपानी, तहसील कुनकुरी
ओमप्रकाश पिता विश्वनाथ व 03 अन्य
उम्र....38. वर्ष,
जाति रौतिया, निवासी कुनकुरी,
तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) --------- आवेदक
बनाम
छ.ग. शासन -------- अनावेदक

उद्घोषणा

एतद् द्वारा ग्राम टुकूपानी, प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक ओमप्रकाश पिता विश्वनाथ उम्र 38 वर्ष, जाति रौतिया, निवासी कुनकुरी, तह कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम टुकूपानी स्थित अपने निजी भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 110/1 रकबा 0.405 हे० भुमि पर फ्लाई एस निर्माण हेतु व्यवसायीक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है अतःउक्त भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई दिनाँक 25/03/2026 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं।उक्त नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनाँक 11/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगॉव तहसील भटगॉव
//ईश्तहार//
रा०प्र०क्र० 237 ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम बतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक । बसंती बाई पति स्व.छत्रपाल जाति रजवार निवासी ग्राम बतरा तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर द्वारा अपने पति स्व. छत्रपाल का मृत्यु दिनांक 12/11/2024 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 27/03/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 12/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगॉव जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.)
ईश्तहार
क्रमांक /2059/ वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 25/3/2026

सर्वं साधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम सोहागपुर प.ह.न. 21 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक ब्रिजेश कुमार ठाकुर पिता रमेश जाति नाई निवासी ग्राम सोहागपुर पोस्ट करंजी थाना विश्रामपुर

तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) ने अपने दादी रजमतिया पति स्व.ठाकुर प्रसाद मृत्यु तिथि 18.12.2014 स्थान सोहागपुर के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 10.04.2026 दिन शुक्रवार को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है।बाद मे प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
उप तह. मानी, तहसील सूरजपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम---------प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्योति गोस्वामी पिता योगेश्वर प्रसाद गोस्वमी जाति गोसाई निवासी ग्राम बडसरा प.ह.न. ०4 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र, पुत्री ज्योति गोस्वामी का जन्म. दिनांक 21.04.1985 को ग्राम बड़सरा में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री ज्योति गोस्वामी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बडसरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है।जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 30.03.026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 10.03.026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला - सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगांव
//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र 239 ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम पहाड़ अमोरनी को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलजीत आ० स्व० देवन जाति कंवर निवासी ग्राम पहाड अमोरनी तहसील भटगांव जिला सुरजपुर द्वारा अपने माता स्व० सुखमेन का मृत्यु दिनाक 20/05/2010 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने माता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।जिसने कार्यवाही पारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो यह अपना आक्षेप दिनांका 27/03/26 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही बार दी जावेगी। आज दिनाक 12/03/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पहनुवा से जारी किक गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव
जिला-सुरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
रा०प्र०क्र०
ईश्तहार
आगामी तिथि 17.04.2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता, संस्था, विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद गुप्ता आ. बिगउ प्रसाद गुप्ता, उम्र लगभग 65 वर्ष व अन्य 1, निवासी ग्राम मंडी रोड सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम मोहल्ला बाजारपारा सूरजपुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 1887, 1888/1 रकबा 7406, 602 वर्गफीट भूमि स्थित है। वादभूमि अनावेदक क्र 03 से 07 एवं स्व. सगरी देवी के नाम की संयुक्त नजूल भूमि है। स्व. सगरी देवी की मृत्यु दिनांक 29.12.2025 को हो चुकी है और सगरी देवी के वारिशान आवेदकगण एवं अनावेदक 1 व 2 है।स्व. सगरी देवी की मृत्यु होने से वारिष होने की हैसियत से उनका नाम विलोपित कर आवेदकगण एवं अनावेदक क्र 01 व 02 का नाम संधारण खसरा में नामांतरण दर्ज करने का अनुरोध आवेदकगण द्वारा किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 17/04/2026 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 19.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. /31-2/2025-26
//ईश्तहार///

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम आमगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक भानूप्रताप सिह आ. पिताम्बर सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम आमगांव तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा अपने आधिपत्य की भूमि ग्राम आमगांव स्थित भूमि खसरा नंबर 357, 1080 रकबा क्रमशः 0.18, 0.19 है. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपर्वतन किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, रजिस्ट्री की छायाप्रति, बी-1, खसरा, नक्शा, सरगुजा सेटलमेंट, रिनबरिंग सूची की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत आमगांव का अन्नापति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30/03/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 19/03/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

चेंबूर के अमर महल में सिग्नल स्कूल नामक अनोखी पहल की शुरूआत

मुंबईःबेघर, प्रवासी और स्कूल से वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से सिग्नल स्कूल नामक एक अनोखी पहल की शुरूआत मुंबई में की गई है। चेंबूर के अमर महल इलाके में सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड फ्लाईओवर के नीचे इस स्कूल का उद्घाटन मुंबई की महापौर रितू तावडे के हाथों हुआ। आदिवासी पारधी महासंघ मुंबई व नवी मुंबई के अध्यक्ष तथा लक्ष्मी देवी आदिवासी पारधी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार की संकल्पना पर एक नए सिग्नल स्कूल का उद्घाटन मुम्बई में संपन्न हुआ। यह स्कूल मुंबई का पहला सिग्नल स्कूल है।इससे पहले नवी मुंबई के नेरुल और थाने में ऐसे दो सिग्नल स्कूल खोले गए हैं।

कलेक्टर की सख्ती पर खनिज विभाग का खनन माफियाओं पर कार्रवाई,14 वाहन जब्त

छ.ग. फ्रंटलाइन बिलासपुर। जिले में खनिज विभाग की कार्रवाई के बाद भी खनिज माफियाओं की दबंगाई बदस्तूर जारी है। माइनिंग अफसरों की छापामार कार्रवाई और वाहनों की जब्ती के बाद भी अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी तरीके से अंकुश नहीं लग पा रहा है। खनिज विभाग ने अवैध परिवहन और खनन में शामिल 14 वाहनों की जब्ती बनाई है। इसमें जेसीबी, हाइवा, ट्रैक्टर शामिल है।

खनिज विभाग लापरवाह और उदासीन-कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। कलेक्टर ने अवैध उत्खनन और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और वाहनों की जब्ती बनाने का निर्देश दिया है। कलेक्टर के निर्देशों का उस अंदाज में पालन होते दिखाई नहीं दे रहा है।

खनिज विभाग के अफसरों की लापरवाही और उदासीनता के चलते शहर से लेकर गांव तक खनिज माफिया सक्रिय हैं, दिन और रात बेधड़क उत्खनन और परिवहन कर रहे हैं।

कलेक्टर की सख्ती का दिखा असर-कलेक्टर संजय अग्रवाल की सख्ती के बाद माइनिंग, राजस्व और पुलिस की टीम ने अभियान चलाकर साझा कार्रवाई की।

तीन दिनों तक चले साझा अभियान में 14 वाहनों की जब्ती बनाई है। इसमें एक जेसीबी, 3 हाईवा और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल हैं। खनिज विभाग ने 23 से 25 मार्च के बीच काठकोनी, देवरीखुर्द, खम्हरिया, सकरी, निरतु, सेंदरी, मंगला, तुर्काडीह, लोखंडी, लोफंदी, दरीघाट, लावर, जयरामनगर, कोटा, करही कच्छार सहित कई क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया।

अवैध उत्खनन और परिवहन का मामला आया सामने- जांच के दौरान खम्हरिया क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी उत्खनन करते हुए 1 जेसीबी और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। सकरी क्षेत्र में मिट्टी-ईंट का अवैध परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली की जब्ती बनाई है। जयरामनगर क्षेत्र में मिट्टी परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई। जयरामनगर क्षेत्र में गिट्टी का अवैध परिवहन करते 3 हाईवा और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। सेंदरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई। करही कछार, पहंदा और लोफण्डी क्षेत्रों से भी रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 3 अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए।

राशन हेरा फेरी मामले में सरपंच पति सहित समूह अध्यक्ष उपाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज

छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। शासकीय उचित मूल्य दुकान कटिंदा में राशन की 1572032 लाख रुपए के राशन का गबन किए जाने के मामले में खाद्य निरीक्षक सतपाल सिंह कंवर की रिपोर्ट पर सरपंच पति सहित गणेश स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष उपाध्यक्ष के खिलाफ लखनपुर थाने में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। खाद्य निरीक्षक सतपाल सिंह कर 23 फरवरी 2026 को ग्रामीणों की शिकायत पर ग्राम कटिंदा स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान की जांच करने पहुंचे।

दुकान का संचालन गणेश स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा था। ग्रामीणों का आरोप की समूह के नाम पर दुकान का संचालन सरपंच पति कुदरत बहाल सिंह के द्वारा राशन वितरण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की जा रही है। खाद्य निरीक्षक ने जांच में पाया कि 380.53 क्विंटल चावल, 12.95 क्विंटल शक्कर 5.5 क्विंटल चना तथा 23.64 क्विंटल नमक जिसकी कीमत 15 लाख 72 हजार 32 रुपए का राशन वेरी-वेरी कर गबन कर लिया गया है। खाद्य निरीक्षक की रिपोर्ट पर लखनपुर पुलिस ने सरपंच पति कुदरत बहाल, समूह अध्यक्ष कविता सिंह, उपाध्यक्ष दिलसाय के खिलाफ धारा 318 (4)316 3,5 व आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। इस मामले में आम आदमी पार्टी तथा ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

नगर निगम ने सार्वजनिक किया बड़े बकायादारों की सूची

छ.ग. फ्रंटलाइन बिलासपुर। नगर निगम ने मार्च माह समाप्त होने के कारण वसूली का काम तेज कर दिया है। सभी संपत्ति मालिकों से कहा जा रहा है कि वे 31 मार्च से पहले संपत्ति कर जमा कर दें, जिससे उन्हें बाद में जुर्माना न देना पड़ें। इस बीच नगर निगम ने शहर के उन बड़े बकायादारों की लिस्ट निकाल ली है, जो बरसों से टैक्स ही जमा नहीं कर रहे हैं। इनमें कई वजनदार नाम शामिल हैं, जिनका बड़ा बिजनेस है और राजनीति में दखल भी है। नगर निगम ने इन सभी को साफ शब्दों में कह दिया है कि बकाया कर नहीं पटाने की स्थिति में संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। सूची में बड़े नाम शामिल हैं, इस कारण हड़कंप मच गया है। निगम अधिकारियों की मानें तो बकायादारों की सूची लंबी है, मगर अभी टॉप 25 उन लोगों का नाम सार्वजनिक किया गया है, जिनका ज्यादा संपत्ति कर बाकी है। साथ ही इनमें से ज्यादातर ने कई साल से टैक्स जमा नहीं किया है। निगम ने सभी बकायादारों को नोटिस जारी करने का भी फैसला लिया है। अभी 20 बड़े बकायादारों को नोटिस भेजा जा चुका है और उनसे टैक्स जमा करने की अपेक्षा की गई है। नगर निगम का राजस्व अमला भी लगातार निरीक्षण कर रहा है। वार्ड में शिविर लगा कर बकायादारों को भुगतान करने की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अलावा नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने समय पर संपत्ति कर नहीं जमा करने वालों के घर पर भी नोटिस चिपकाने का आदेश दिया है। जिनके टैक्स 31 मार्च 2026 तक जमा नहीं होंगे, उन पर सरचार्ज भी लगाया जाएगा। नगर निगम द्वारा बड़े बकायादारों का नाम सार्वजनिक करने के साथ ही बकायादारों को टैक्स जमा करने बोला जा रहा है। प्रापर्टी टैक्स के अलावा जलकर सहित अन्य टैक्स जमा करने निगम प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जा रहा है और दबाव भी बनाया जा रहा है।

बता दें, जिन लोगों के घर नोटिस सर्व नहीं हो पा रहा है, या लेने से इंकार कर रहे हैं वहां निगम के कर्मचारी नोटिस चस्पा कर रहे हैं। नगर निगम ने सख्ती बरतते हुए उन बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक कर दिया है जिनके द्वारा बीते 10 साल से टैक्स जमा नहीं किया जा रहा है। नाम सार्वजनिक करने के बाद भी टैक्स जमा ना करने की स्थिति में प्रापर्टी कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में छापा, दो फार्मों की भी चल रही जांच

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। जीएसटी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भैंसथान स्थित अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की। जीएसटी की टीम लक्ष्मी कमर्शियल और एसआरएस ट्रेडर्स नाम की फर्मों में जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, करीब 10 अधिकारियों की टीम इस कार्रवाई में शामिल है, जो दोनों फर्मों के चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, विभाग को इन फर्मों के खिलाफ जीएसटी चोरी और फर्जी बिलिंग की शिकायत मिली थी। इसी आधार पर छापेमारी की गई। जांच के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध बिल और ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड सामने आए हैं। टीम ने मौके से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डेटा जब्त किया है। इन सभी रिकॉर्ड्स की अब गहन जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी के संकेत मिले हैं। फिलहाल इस कार्रवाई को लेकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि जांच पूरी होने और दस्तावेजों के विश्लेषण के बाद ही पूरे मामले का खुलासा होगा।

पिकअप से पुलिस ने जब्त किया 45 कॉमर्शियल सिलेंडर

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। पुलिस ने पिकअप से 45 कॉमर्शियल सिलेंडर जब्त किया गया है, पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला था कि ग्राम चिचोली शान ए पंजाब ढ़ाबा के सामने मेनरोड में वाहन पिकअप सफेद रंग क्रमांक सीजी 04 क्यूके 6282 के डाला में अधिक मात्रा में भरा हुआ कॉमर्शियल सिलेंडर रखा हुआ है, गाड़ी में दो लोग बैठे हुए है। सिलेंडर को बेचने के लिये ग्राहक की तलाश कर रहे है।

जिस पर तस्दीक हेतु मुखबीर द्वारा बताये स्थान ग्राम चिचोली शान ए पंजाब ढ़ाबा के सामने तिल्दा-खरोरा मेन रोड पहुंचा जहां पर वाहन पिकअप सफेद रंग क्रमांक सीजी 04 क्यूके 6282 के डाला में लाल रंग का एक इंडियन कंपनी का खाली सिलेंडर एवं लाल नीला रंग का 37 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ 21 किलोग्राम वाला भरा हुआ सिलेंडर तथा लाल नीला रंग का 07 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ खाली सिलेंडर पाया गया। जिसे गवाहो के समक्ष बरामद कर ड्रायवर गिनेश्वर प्रसाद साहू एवं कंडक्टर लावू राम को दस्तावेज पेश करने नोटिस दिया गया जो कोई दस्तावेज पेश नहीं करते हुए कागजात मालिक भुपेश्वर प्रसाद साहू के पास होना तथा उसी के हिसाब से काम करने बताये। ड्रायवर गिनेश्वर प्रसाद साहू एवं कंडक्टर लादूराम के संयुक्त कब्जे से एक पिकअप सफेद रंग जिसमें आगे-पीछे दोनो नंबर प्लेट में सीजी 04 क्यूके 6282 अंकित है पुरानी इस्तेमाली कीमती लगभग 10,00,000 रूपये* तथा लाल रंग का एक इंडियन कंपनी का खाली सिलेंडर सील खुला हुआ एवं लाल नीला रंग का 37 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ 21 किलोग्राम बाला भरा हुआ सिलेंडर सीलबंद 07 नग श्री छत्तीसगढ़ गैस लिखा हुआ खाली सिलेंडर अनुमानित कीमत 74,000 रूपये रूपये को गवाहों के समक्ष जप्त कर धारा-106 भा.ना.सु.सं. के तहत कार्यवाही करते हुए मामला खाद्य विभाग से संबंधित होने से अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु खाद्य निरीक्षक शुभा गुप्ता को 45 नग सिलेंडर वाहन चालक एवं कंडेक्टर को संपूर्ण दस्तावेज सुपुर्द किया गया।

सीजी बोर्ड की मान्यता लेकर सीबीएसई के नाम पर स्कूल प्रबंधन वसूल रहे मोटी फीस

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर। सीजी बोर्ड से मान्यता लेकर फर्जी तरीके से सीबीएसई पाठ्यक्रम की स्कूलें छत्तीसगढ़ में धड़ल्ले से चलाई जा रही है। राज्य में सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त तकरीबन 1784 अंग्रेजी माध्यम की स्कूले हैं। इन स्कूल प्रबंधकों द्वारा बच्चों, पालकों और स्कूल शिक्षा विभाग के अफसरों की आंखों में धूल झोककर सीबीएसई पाठ्यक्रम के नाम पर स्कूलों का संचालन कर रहे हैं। पालकों से सीबीएसई के नाम पर मोटी फीस भी वसूल रहे हैं। छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में दायर जनहित याचिका में इस तरह का सनसनीखेज जानकारी याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में दी है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल से संबद्धता को लेकर नियमों पर गौर करें तो पहली से 10 वीं कक्षा तक पढ़ाई करने वाले बच्चों को पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित किताबें मुफ्त में देना है। इसके अलावा सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलें किसी अन्य प्रकाशन की किताबें नहीं चला सकते।

पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा दी जाने वाली किताबों से ही पढ़ाई करानी है और उसी सिलेबस के अनुसार परीक्षा आयोजित करनी है। छत्तीसगढ़ में इसके ठीक उलटा हो रहा है। सीजी बोर्ड से अंग्रेजी माध्यम की मान्यता व संबद्धता लेने के बाद प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट मनमानी तो कर रही हैं, सीजी बोर्ड से सीधतौर पर फर्जीवाड़ा भी कर रहे हैं। स्कूल प्रबंधन बोर्ड के नियमों व निर्देशों को धता बताते हुए निजी प्रकाशकों की किताबें चला रहे हैं।

इसके पीछे का कारण भी साफ है, निजी प्रकाशकों की किताबें ऊंची दाम पर मिलती है और प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट को भारी भरकम कमीशन भी मिलता है। इनकी मनमानी का खामियाजा शिक्षा के अधिकार के तहत पढ़ने वाले गरीब बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। महंगी किताबें खरीदनी पड़ रही है।

बोर्ड ने 6100 स्कूलों को दी है मान्यता- छत्तीसगढ़ में सीजी बोर्ड से हिंदी व अंग्रेजी माध्यम की स्कूल संचालित करने के लिए बोर्ड ने 6100 स्कूलों को मान्यता दी है। इन स्कूलों में पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा भेजे जाने वाली किताबों का नि:शुल्क वितरण छात्रों को करना है और इसी पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई करानी है। खास बात ये सीजी बोर्ड के मापदंड के अनुसार अपना कोई सिलेबस नहीं चला सकते।

1784 स्कूलों ने नहीं ली निगम से किताबें- छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में चल रही जनहित याचिका में रायपुर निवासी विकास तिवारी ने हस्तक्षेप याचिका दायर की है। विकास तिवारी ने हाई कोर्ट को बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2025 26 में 1784 ऐसे स्कूलें हैं जो सीजी बोर्ड से मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम की स्कूलें हैं। इन स्कूलों ने नि:शुल्क पुस्तकें नहीं उठाई। ये ऐसे स्कूलें हैं जहां सीजी बोर्ड अंग्रेजी माध्यम की मान्यता लेकर सीबीएसइ की पढ़ाई कराई जा रही है।

रजत बंसल बने जनसंपर्क आयुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए महत्वपूर्ण पदस्थापनों की घोषणा की है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, रजत बंसल को मुख्यमंत्री सचिवालय में पोस्टिंग के साथ जनसंपर्क आयुक्त का प्रभार सौंपा गया है, जबकि रवि मित्तल को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), नई दिल्ली में उप सचिव पद के लिए रिलीव कर दिया गया है। दोनों निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। वर्ष 2012 बैच के आईएएस अधिकारी रजत बंसल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक विशेष सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय के पद पर नियुक्त किया गया है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ आयुक्त जनसंपर्क, सीईओ 'संवाद', संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म, और प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। इस नियुक्ति के माध्यम से राज्य सरकार जनसंपर्क और खनिज विकास के क्षेत्र में सुचारू संचालन को सुनिश्चित करना चाहती है। वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी रवि मित्तल को भारत सरकार के आदेश के अनुसार प्रधानमंत्री कार्यालय, नई दिल्ली में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है।

पुलिस लिखी गाड़ी में धौंस जमाना पड़ा भारी, एसएसपी के आदेश पर हुई कार्रवाई

छ.ग. फ्रंटलाइन बिलासपुर। पुलिस लिखी गाड़ी में बाउंसरों ने धौंसपट्टी दिखाते जमकर सैर किया। सैर के दौरान आने जाने वालों पर धौंस भी जमाया। इतने पर भी नहीं रुके बकायदा वीडियो बनाया और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसे वायरल कर दिया। वायरल वीडियो एसएसपी रजनेश सिंह तक जा पहुंचा, एसएसपी की फटकार के चंद घंटों के भीतर संचालक को पुलिस ने अरेस्ट कर जेल भेज दिया है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वीडियो तेजी के साथ वायरल हो रहा है, जिसमें स्कार्पियो के आगे और पीछे पुलिस लिखी हुई है, उसमें बाउंसर सवार होकर घूमते दिख रहे हैं। वीडियो में बाउंसर खुद को पुलिस अफसर बताकर रौब दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो एसएसपी रजनेश सिंह तक पहुंच गया। उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया और स्कार्पियो की तलाश कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गाड़ी पुलिस लाइन में किराए पर चलती थी- वीडियो के आधार पर पुलिस ने जानकारी जुटाई, तब पता चला कि पहले यह गाड़ी पुलिस लाइन में किराए पर चलती थी। उसी समय कोतवाली क्षेत्र के करबला निवासी वीरेन्द्र जैन पिता प्रवीण कुमार जैन गाड़ी के आगे-पीछे पुलिस लिखवा लिया था। पुलिस ने स्कार्पियो की तलाश कर उसे जब्त कर लिया। ट्रेवर्ल्स संचालक वीरेंद्र जैन को पकड़कर थाने ले आई।

युवकों को किराए पर दी थी गाड़ी-आरोपी वीरेंद्र जैन से पूछताछ में पता चला, उसने पुलिस लाइन से गाड़ी हटने के बाद भी पुलिस का लोगों नहीं मिटाया और पुलिस भी लिखा रहा। गाड़ी को उसने किराए पर दिया था। इसी दौरान बाउंसर जैसे दिखने वाले युवकों ने गाड़ी के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ लोक सेवक के पद का फर्जी उपयोग और गलत तरीके से प्रभाव डालने का मामला दर्ज किया है। साथ ही स्कार्पियो को जब्त कर आरोपी वीरेंद्र जैन को गिरफ्तार किया है।

कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी-एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा, पुलिस के नाम, टैग या वर्दी का अनधिकृत उपयोग दंडनीय अपराध है। जो लोग पुलिस के नाम का सहारा लेकर आम जनता पर रौब गांठने या नियमों को तोड़ने की कोशिश करेंगे, उन पर इसी तरह कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को पीढ़ियों तक पहुँचाने का सेतु : मंत्री लक्ष्मी

कुदुरगढ़ महोत्सव के अंतिम दिन पामगढ़ के मल्लखंभ खिलाड़ियों ने किया योग-शक्ति और साहस का प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कुदरगढ़ महोत्सव के समापन दिवस पर बुधवार को पामगढ़ के प्रतिभाशाली मल्लखंब खिलाड़ियों ने अपनी कला का ऐसा जादुई प्रदर्शन किया कि दर्शक दंग रह गए। खिलाड़ियों ने खंभे पर योग की दुर्लभ मुद्राएँ, संतुलन के करतब और साहसिक आसनों की एक के बाद एक प्रस्तुति देकर महोत्सव के अंतिम दिन को यादगार बना दिया।महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने उद्बोधन में मल्लखंभ खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे पारंपरिक खेल न केवल शारीरिक बल और मानसिक एकाग्रता का विकास करते हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सेतु बनते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शासन पारंपरिक खेलों के संवर्धन और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

वन विकास निगम एवं कुदरगढ़ ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने भी इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि कुदुरगढ़ महोत्सव का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि इस पावन धरती की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और खेल परंपराओं को एक मंच पर अनूठा संगम होता है। पामगढ़ के इन युवा खिलाड़ियों ने इस विधा में अपनी महारत का परिचय देते हुए यह सिद्ध किया कबड्डी प्रतियोगिता के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टीम और प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया।

जीवंत करना है। उन्होंने कहा कि पामगढ़ के मल्लखंभ खिलाड़ियों ने महोत्सव के समापन को वास्तव में स्वर्णिम बना दिया। मल्लखंभ जो भारत की प्राचीन पारंपरिक खेल विधाओं में से एक है में योग, कुश्ती और कलाबाजी का कि छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी पारंपरिक खेलों को जीवंत रखने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उनके प्रत्येक करतब पर उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत मे जिला स्तरीय वॉलीबाल और

पुरुष कुश्ती में श्रीराम, महिला में कलशपाल बने चैंपियन

कुदरगढ़ महोत्सव के दौरान आयोजित तीन दिवसीय खेल महाकुंभ कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और मां बागेश्वरी धाम ट्रस्ट कुदरगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय कुश्ती, जिला स्तरीय वॉलीबॉल एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन संपन्न हुआ।कुदरगढ़ में पहली बार अखिल भारतीय कुश्ती, उमड़ा पूरा जिला खेलकूद प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी मोहम्मद गौस बेग ने बताया कि कुदरगढ़ में पहली बार आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता ने अभूतपूर्व उत्साह जगाया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली के नामचीन पहलवानों ने अपने दमखम और कौशल का ऐसा प्रदर्शन किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। पुरुष वर्ग का खिताब उत्तर प्रदेश के श्रीराम पहलवान ने जीता, जबकि महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश की ही कलशपाल ने विजेता का ताज पहना। जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में इस बार रिकॉर्ड 22 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में गजाधरपुर ने गोंदा को लगातार दो सेटों में 2-0 से हराकर विजेता का गौरव प्राप्त किया। गोंदा उपविजेता और सूरजपुर तृतीय स्थान पर रहा। व्यक्तिगत पुरस्कारों में बेस्ट अटैकर नेगी गजाधरपुर, बेस्ट ब्लॉकर चमन सूरजपुर और मैन ऑफ द टूर्नामेंट हिमांशु रजक गोंदा रहे। कबड्डी में पचीरा ने लगातार दूसरे साल खिताब जीता है।।19 टीमों के बीच तीन दिन चले कड़े मुकाबले में पचीरा टीम ने गत वर्ष के अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। फाइनल में पचीरा ने गंगोटी को 25-14 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। नरेशपुर तृतीय स्थान पर रहा। बेस्ट डिफेंडर प्रदीप राजवाड़े पचीरा, बेस्ट रेडर सत्या गंगोटी और मैन ऑफ द टूर्नामेंट अमन किंडो को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, मां बागेश्वरी धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा और मेला अध्यक्ष भुवन प्रताप सिंह ने विजेताओं को ट्रॉफी एवं माला पहनाकर सम्मानित किया।

पुरस्कार वितरण के पश्चात पामगढ़ के खिलाड़ियों द्वारा मलखंब का अद्भुत शौर्य प्रदर्शन किया गया, उन्हें भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मंच संचालन सीमांचल त्रिपाठी एवं अतुल चौबे ने किया। प्रतियोगिता के संचालन में संजय त्रिपाठी, रामजीत यादव, सहदेव राम रवि, राम सुभाष राजवाड़े, धर्मपाल रजक सहित अनेक अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस ने गांजा तस्करी मामले में इंड-टू-इंड विवेचना कर 7 आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्रेमनगर पुलिस ने इंड टू इंड विवेचना कर गांजा के तस्करी, खरीदी-बिक्री करने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही कर इस नेटवर्क से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

22 जुन 2025 को थाना प्रेमनगर पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम सरसताल के शशिभूषण दुबे पैदल सिरमिना-कोरबा की ओर से अपने घर की ओर गांजा लेकर जाने की सूचना पर दबिश देकर उसे पकड़ा जिसके कब्जे से करीब 1.30लाख कीमत के 4 किलो 350 ग्राम गांजा जप्त कर धारा 20बी, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ पर उसने कृष्णा लाल तुरिया ग्राम बेलदगी थाना लखनपुर से खरीदकर लाना बताया। जिसके बाद 11 जुलाई 2025 को पुलिस ने दबिश दी जिसमें कृष्णा व मिनकेतन यादव सुदरगढ़ उड़ीसा के साथ मोटर सायकल में गांजा लेकर ग्राहक को देने जाने के दौरान दोनों को पकड़ने घेराबंदी की गई जो कृष्णा तुरिया अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला और मिनकेतन यादव को पकड़ा गया।पूछताछ पर मिनकेतन यादव ने बताया कि टिकेश्वर यादव लैलुंगा जिला रायगढ़ का गांजा तस्करी में शामील होना बताने से टिकेश को 22.09.2025 तथा कृष्णा तुरिया को 10.02.2026 को गिरफ्तार किया गया। आरोपी कृष्णा तुरिया ने पूछताछ पर बताया कि अपने साथी ओमप्रकाश व मोतीलाल के साथ उड़ीसा से गांजा लाकर शशिभूषण, विश्राम राजवाड़े, अघनू को बिक्री करता था। 22.06.2025 को थाना जयनगर पुलिस द्वारा ओमप्रकाश बसोर व मोतीलाल बसोर को पकड़ा था जिनके कब्जे से करीब 24 लाख कीमत के 80 किलो गांजा जप्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया था। अब तक की कार्यवाही में आरोपी शशिभूषण दुबे, मिनकेतन यादव, टिकेश यादव उर्फ टिकेश्वर यादव, कृष्णा लाल तुरिया, ओमप्रकाश बसोर, विश्राम राजवाड़े, अघनु अगरिया की गिरफ्तारी की जा चुकी है तथा एक बोलेरो, एक मोटर सायकल जप्त किया है। मामले में थाना प्रेमनगर पुलिस के द्वारा इंड टू इंड विवेचना कर गांजा के तस्करी, खरीदी-बिक्री करने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने में लगी हुई है। मामले से जुड़े उड़ीसा के गांजा तस्करों की पतासाजी जारी है।

मामले की विवेचना के दौरान 24 मार्च को विश्राम राजवाड़े ग्राम लटोरी थाना लखनपुर सरगुजा एवं 25 मार्च को अघनु अगरिया उर्फ अगुनु उर्फ अभिषेक उमेश्वरपुर चौकी सलका उमेश्वरपुर को दबिश देकर पकड़ा गया। पूछताछ पर दोनों ने गांजा के अवैध खरीदी-बिक्री में शामील होना स्वीकार किए जिन्हें गिरफ्तार किया गया है।

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रेमनगर विश्राट बिशी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र पटेल, प्रमोद लकड़ा, विनय किस्पोट्टा, आरक्षक दीपक यादव, संतोष ठाकुर, सत्यम सिंह, हरिश्चंद दास, बृजेश काशी, सम्हर लाल पोर्ते, राजकुमार, बाबुनाथ पोर्ते, नवीन बेक, कृष्णा सिंह व महिला आरक्षक सिंधु कुजूर सक्रिय रहे।

कलयुगी माँ ने 4 माह के बच्चे को पटककर उतरा मौत के घाट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले से एक कलयुगी माँ की अमानवीय चेहरा सामने आया है।जिसमे मां ने महज 4 माह के अपने दुधमुंहे बच्चे को जमीन पर पटक कर मौत के घाट उतार दिया।मामला प्रेमनगर थाना क्षेत्र के उमेश्वरपुर चौकी अंतर्गत जयपुर गांव का है। यहां का सोनसाय प्रजापति महुआ बिनने गया हुआ था और वापस आने पर अपनी पत्नी वृंदावती से खानें की मांग की और खाना नहीं बने होने पर खाना बनाने कह घर के बाहर चला गया।इसी दरम्यान वृंदावती खाना बनाने लगी तभी उसका दुधमुंहा बच्चा रोने लगा जिससे गुस्साई वृंदावति ने महज 4 माह के अपने बच्चे को बाहर लाकर जमीन पर पटक दिया।जिससे उसे गम्भीर चोटें आई तत्काल सोनसाय अपने गंभीर रूप से घायल बच्चे को लेकर जिला अस्पताल पहुंचा लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।वहीं मामले में कोतवाली में शुन्य में अपराध दर्ज किया गया है। सूत्रों की मानें तो सोनसाय की पत्नी वृंदावती मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और इसकी लापरवाही से पूर्व में भी इनके दो बच्चों की जान जा चुकी है। मामले को लेकर पुलिस ने कहा कि मामला उमेश्वरपुर चौकी का है और कोतवाली में शुन्य में मामला दर्ज किया गया है। मामले में जांच जारी है।

नर्सिंग छात्रों को मिली कानूनी जागरूकता की राह, पॉक्सो, विधिक सहायता और यातायात नियमों पर मार्गदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में गुरुवार को नर्सिंग इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च सेंटर, कृष्णपुर कलुआ में एक वृहद कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय आनंद प्रकाश वारियाल ने की। उन्होंने छात्रों को सरल एवं बोधगम्य भाषा में विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। न्यायाधीश श्री वारियाल ने पॉक्सो अधिनियम 2012 पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कानून केवल बालिकाओं के लिए नहीं, बल्कि बालकों पर भी समान रूप से लागू होता है। अपराध की गंभीरता, साक्ष्य संकलन और न्यायालयीन प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने वर्तमान समय में शादी का झांसा देकर नाबालिग बच्चियों के साथ हो रहे अपराधों में हो रही बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जाहिर की और छात्राओं को सतर्क रहते हुए अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।न्यायाधीश ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों को तहसील न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक निःशुल्क विधिक सहायता एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने उपस्थितजनों से अपील की कि वे किसी भी कानूनी समस्या में स्वयं को असहाय न समझें। सहायता के लिए नजदीकी विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय अथवा नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

मोटर व्हीकल एक्ट और यातायात नियम

कार्यक्रम में मोटर व्हीकल अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की भी जानकारी दी गई और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया गया।इस अवसर पर संस्था की निदेशक श्रीमती प्रियंका शुक्ला, प्राचार्या श्रीमती शिखा तिर्की, सहायक प्राचार्या श्रीमती नेहा रजवाड़े, समस्त शिक्षकगण तथा पैरालीगल वॉलंटियर सत्य नारायण उपस्थित रहे।

रामानुजनगर क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि का भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। ग्राम देवल्ला में देवल्ला समिति के तत्वाधान में चैत्र नवरात्रि शक्ति पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। आयोजन के दौरान प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु माता भगवती के दर्शन हेतु पहुंचकर अपनी आस्था प्रकट कर रहे हैं।

पंचमी तिथि से विशेष रूप से लोकवाद्य यंत्रों के साथ भव्य भक्ति नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान माता भगवती के विभिन्न स्वरूपों की विधिवत आराधना की जा रही है। जिसमें संख्या हजारों को पार कर जा रही है।आयोजन में ग्राम के पारंपरिकदेवी-देवताओं एवं शक्तियों जैसे ग्राम देवता, मोती बैगा, ठाकुर देवता, केशव देव,बूढ़ाभगवान शंकर देव, बूढ़ी भगवती पार्वती दाई, सरना, ग्राम शिवरिया देव एवं गौंहर ठाकुर, समस्त देवी देवताओं—की भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की जा रही है। पूरे आयोजन का संचालन ग्राम बैगा के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें 15 सेवकई एवं अन्य स्वयंसेवक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इसी क्रम में पड़ोसी ग्राम त्रिपुरेश्वरपुर (डगमला) एवं कौशलपुर के देवल्ला, चौरा में भी चैत्र नवरात्रि पर्व सामूहिक साधना के साथ सामूहिक उपस्थिति में भव्यता, दिव्यता और भक्तिमय वातावरण में मनाया जा रहा है।क्षेत्रवासियों का कहना है लुप्त होती भारतीय सनातन संस्कृति का इस तरह अत्यंत विराट आयोजन के साथ लौटना साक्षात् जगत जननी की असीम कृपा प्रसाद है। कई बुजुर्ग लोगों ने भावविह्वल प्रेमाश्रु से भरकर चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान में ऐसे दिव्य आयोजनों में सामूहिक भागीदारी और सफलता देखकर पूरा रोम रोम आनंद और रोमांच से भर जाता है। आने वाली पीढ़ी जिस तरह अपनी संस्कृति, पहचान, लोक चेतना, सनातन, हिंदुत्व, धर्म, संस्कृति, अध्यात्म, मानबिंदुओं के प्रति जागृत हुई है, वह अद्भुत मंगलमय और आनंदित करने वाला है।

वनस्पति शास्त्र विभाग के 40 विद्यार्थियों ने किया अध्ययन भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय के वनस्पति शास्त्र विभाग के एमएससी द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के 40 विद्यार्थियों ने अमृत धारा जलप्रपात का पारिस्थितिकी अध्ययन किया। प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे के निर्देशानुसार सभी विद्यार्थियों ने यह अध्ययन भ्रमण पूर्ण किया।

विद्यार्थियों ने जलप्रपात के चारों ओर उपस्थित वृक्षों एवं पौधों का अध्ययन किया तथा पर्यावरण को हो रहे नुकसान के संबंध में जानकारी हासिल की। जलप्रपात के चारों ओर नमी के अनुसार उपस्थित विभिन्न पौधों ब्रायोफाइट्स, टेरीडोफाइट्स, शैवाल एवं कवक का संग्रहण भी किया। पौधों के संग्रहण के बाद विद्यार्थियों ने उनका प्रयोग उपयोग हेतु संरक्षण भी किया। सभी विद्यार्थियों ने पारिस्थितिकी तंत्र में जरूरी पौधों की संख्या और उनके प्रभाव का अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने विभाग अध्यक्ष टी. आर. राहंगडाले के मार्गदर्शन में विभिन्न जानकारी प्राप्त की, साथ ही विभाग में पदस्थ सुश्री उज्जैनी किशोर ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। अमृतधारा जलप्रपात का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थियों ने झुमका डेम का भ्रमण किया तथा इस पर्यटन स्थल में नौका विहार किया। जल संसाधन का उपयोग और इसे आय का साधन किस प्रकार बनाया जा सकता है इस विषय पर जानकारी हासिल की।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

जंगली सूअर मारने के लिए हुकिंग करके बिछाया था करंट प्रवाहित नंगे तार का जाल

ग्रामीण व जंगली जानवर की मौत के मामले में 6 गिरफ्तार, गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गैर इरादतन हत्या के मामले में थाना कमलेश्वरपुर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला तारंगित तार के संपर्क में आने से युवक की मौत का है। जंगली सुअर फंसाने के लिए अवैध हुकिंग कर लगाए गए तरंगित तार में फंसने से एक युवक और जंगली जानवर की मृत्यु हुई थी। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बास का डंडा और तार पुलिस ने जप्त किया है।

जानकारी के मुताबिक जयप्रकाश यादव निवासी चापकछार तेंदुपारा, कापू रायगढ़ ने 25 मार्च को थाना कमलेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके जीजा मिश्रालाल यादव, उसे एवं अन्य को रवई दिखाने बडेरा जंगल लेकर गए थे। मिश्रालाल यादव आगे-आगे चल रहे थे, जो अचानक गिरकर छटपटाने लगे। इस दौरान उनके शरीर में नंगा तार लपटा हुआ था, और धुआं एवं आग निकल रहा था, विद्युत करेंट प्रवाहित तार को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जंगली सुअर मारने के लिए लगाया था, जिसके चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। वापस गांव जाकर उन्होंने मिश्रालाल यादव के पिता को घटना के बारे में बताया। मामले में थाना कमलेश्वरपुर में धारा 105 बी.एन.एस. 135 विद्युत् अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामले को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई करके प्रकरण के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने और वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान प्रकरण में शामिल जयपाल तिर्की पिता स्व. रूपसाय तिर्की 46 वर्ष, विश्वनाथ मांझी पिता स्व. कमल मांझी 37 वर्ष, धुरसाय मांझी पिता स्व. सुन्दर मांझी 35 वर्ष, श्याम सुन्दर कुजूर पिता निर्मल उर्फ गेद्दा कुजूर 29 वर्ष, निर्मल उर्फ गेद्दा कुजूर पिता स्व. सोनसाय कुजूर 57 वर्ष व जहूर साय पिता स्व. नान साय 66 वर्ष सभी निवासी असकरा, थाना कमलेश्वरपुर को हिरासत में लिया और पूछताछ की तो इन्होंने जंगली सुअर का शिकार करने के लिए बिजली खम्भे से अवैध हुकिंग कर तरंगित तार लगाना स्वीकार किया। इन्होंने बताया कि घुरसाय, विश्वनाथ एवं श्याम सुन्दर तीनों लकड़ी के खूंटी को पूरे जंगल में लगाए एवं जयपाल तिर्की, जहूर साय एवं निर्मल बिजली के खंभे से तार को पूरे खूंटी में लगाए थे और बिजली के खंभे से वायर को हुक बनाकर जोड़कर सुअर फंसने का इंतजार करने लगे। रात करीब 9 बजे गांव में बिजली चला गया, और जंगल में कई टार्च का प्रकाश दिखने और सड़क तरफ से मोटरसायकल में आते लोगों को देखकर आरोपी पकड़ाने के डर से वापस अपने-अपने घर चले गए। रात में ही गांव में हल्ला हो गया था, कि बिजली करंट के चपेट में आने से किसी व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर निरीक्षक मनोज कुमार प्रजापति, सहायक उप निरीक्षक बबलू कुजूर, आरक्षक अर्जुन पैकरा, बरन सिंह, लुकान निकुंज, अमित कुमार, सूरज राठिया एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।

मध्य प्रदेश का युवक अंबिकापुर के होटल में फांसी लगाकर खुदकुशी किया

निजी कंपनी में क्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर था कार्यरत, हालिया ठिकाना था रायपुर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के एक होटल में मध्य प्रदेश के एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरूवार को स्वजनों के मौजूदगी में कमरे के दरवाजे को तोड़कर युवक के शव को फांसी के फंदे से उतारा गया। माना जा रहा है कि युवक ने डिप्रेशन में आकर ऐसा कदम उठाया होगा।

जानकारी के मुताबिक मो. इरफान पिता मो. इब्राहिम 28 वर्ष, मुख्य बाजार हरदुली, जबलपुर मध्य प्रदेश का रहने वाला था, जो नेक्स्ट केयर कंपनी में क्षेत्रीय प्रबंधक का काम करता था, और हाल में रायपुर में ही रह रहा था। 25 मार्च को वह दुर्ग-अंबिकापुर ट्रेन से अंबिकापुर आने के बाद सुबह करीब 9.18 बजे ब्रम्ह रोड से लगे एक होटल में कक्ष क्रमांक 109 में रूका था। ट्रेन से आते वक्त उसकी मुलाकात एक परिचित से हुई थी। शाम को वह अपने परिचित दोस्तों के साथ होटल में रात करीब 8.30 बजे खाना खाया था। इस बीच दोस्तों को भी ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि उनके जाने के बाद इरफान आत्मघाती कदम उठाएगा। बुधवार की रात को इरफान के मोबाइल में उसका भाई अदनान कई बार कॉल किया, लेकिन कोई प्रत्युत्तर नहीं मिला। फोन नहीं उठाने पर अदनान अपने भाई के दोस्त कुणाल से संपर्क किया, तो वह बताया कि इरफान होटल में रूका है। इसके बाद अदनान होटल के रिसेप्शन में संपर्क करके भाई के द्वारा मोबाइल फोन नहीं उठाने की जानकारी देते हुए बात कराने के लिए कहा था। होटल के कर्मचारी कमरा नंबर 109 में पहुंचे और दरवाजा खुलवाने का कोशिश किए लेकिन अंदर से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। काफी आवाज लगाने और खटखटाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने इसकी जानकारी होटल के मैनेजर को दी। मैनेजर ने डॉयल 112 में कॉल करके इसकी सूचना दी थी। मौके पर पुलिस पहुंची, रोशनदान से देखने पर युवक का शव चादर के सहारे पंखे में झूलता

नजर आया। देर रात ही स्वजन को अंबिकापुर आने के लिए कहा गया। गुरूवार को इनकी मौजूदगी में फांसी के फंदे में झूल रहे शव को उतारकर कोतवाली थाना पुलिस ने मौका पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया। युवक पूर्व में भी अपने कारोबार को लेकर अंबिकापुर आने के दौरान उक्त होटल में रूकता था। जबलपुर से पहुंचे स्वजन पुत्र का शव फांसी के फंदे पर लटकते देख रो पड़े। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है, और अग्रिम जांच कर रही है।

राशन के लिए भेजा रुपये, मां से किया बात

मृतक इरफान के स्वजन गुरूवार को अंबिकापुर पहुंचे। जवान लड़के का शव फांसी पर लटकते देख पिता, भाई सभी रो पड़े। इस दौरान सामने आया कि युवक स्वयं के उपयोग के लिए लाए गए चादर के सहारे फांसी पर लटका था। बताया जा रहा है कि युवक रात में अपनी मां से बात किया था और बताया था कि राशन सामग्री खरीदने के लिए वह कुछ रुपये भेजा है। मां से बात और दोस्तों के साथ खाना खाने के बाद वह किन परिस्थितियों में फांसी लगाकर खुदकुशी किया, यह रहस्य बनकर रह गया है। पुलिस मान रही है कि युवक काम के दबाव, या कंपनी का टारगेट पूरा नहीं कर पाने की चिंता में ऐसा कदम उठाया होगा। मृतक के मोबाइल फोन को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। मोबाइल फोन लॉक होने के कारण युवक की अंतिम में किससे बात हुई, यह अस्पष्ट है।

होलीक्रॉस अस्पताल के गेट से मोटरसायकल चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। होलीक्रॉस अस्पताल में पिता, भाई और बहू को भर्ती कराए एक व्यक्ति का मोटरसायकल अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर थाना क्षेत्र में बाबरा पेट्रोल टंकी के पास रहने वाला पिकप वाहन का चालक पंकज भाई पटेल 22 मार्च को अलसुबह अपने पिता अभिनंदन पटेल, बहू अनिता पटेल और भाई नीरज भाई पटेल का अचानक तबियत खराब होने पर तीनों को होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती किया था। यहां तीनों का ईलाज चल रहा था। 22 मार्च को वह दोपहर करीब 2 बजे अपने मोटरसायकल हीरो स्प्लेण्डर प्रो क्रमांक सीजी 15 सी.आर. 6905 को होलीक्रास अस्पताल के गेट के पास खड़ा करके अस्पताल के अंदर गया था। बाहर घर जाने के लिए निकला तो मोटरसायकल नहीं था। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। अस्पताल के गेट के पास लगे सीसीटीव्ही फुटेज को चेक करवाने पर दोपहर 3.38 बजे मोटरसायकल को अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले जाते नजर आया। पुलिस मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

सेनेटरी व्यवसायी के घर से 50 हजार का बर्तन चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ब्रम्ह रोड में सेनेटरी का व्यवसाय करने वाले अंकित अग्रवाल के यहां घुसे चोर ने छत में स्थित कमरे में रखा करीब 50 हजार रुपये का बर्तन पार कर दिया। 25 मार्च को सुबह 7 बजे व्यवसायी की मां पूजा करने के लिए घर के छत में गई तो कमरे के दरवाजा का ताला टूटा हुआ है। कमरे का सामान बिखरा था और कमरे में रखा पीतल, स्टील, तांबा का वर्तन, चांदी का पूजा का बर्तन, बैग में रखे पुराने कपड़े सहित अन्य सामान नहीं था। घर में लगे सीसीटीव्ही फुटेज को देखने पर अज्ञात व्यक्ति रात्रि करीब 3.30 बजे से 05 बजे के बीच घर में घुसते-निकलते दिखाई दिया। रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

वसुधा महिला मंच ने नवरात्रि पर देवी जस गीत का किया आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। वसुधा महिला मंच ने शहर की महिला भजन मंडलियों को प्रोत्साहित करने के लिए गांधी चैक स्थित मां दुर्गा मंदिर में पंचमी के दिन देवी जसगीत का आयोजन किया। यह सिलसिला विगत दो दशकों से चलते आ रहा है। इस दौरान सर्वप्रथम डॉ. पुष्पा सोनी ने स्वागत सम्बोधन में कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विगत 20 वर्षों से निरंतर चल रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित महापौर मंजूषा भगत ने धार्मिक आयोजनों में महिलाओं की अपार उपस्थिति को सराहा और शहर को स्वच्छ बनाने में सबसे सहयोग की अपेक्षा व्यक्त कीं। उन्होंने अंगदान के लिए सबको आगे आने के लिए प्रेरित किया, ताकि दूसरे को जीवनदान मिल सके।

कार्यक्रम के प्रारंभ में माता रानी की आराधना वसुधा सदस्य सन्तोस पांडे रचित गणेश वन्दना और देवी जस गीत से जया तिवारी, डॉ. पुष्पा सोनी, वन्दना दत्ता, सरिता सिंह अनुभा डबराल, आशा थोराट, तनुश्री मिश्रा, रीता अग्रवाल, स्मिता तिवारी ने की। कीर्तन मंडली गौरी मंदिर, दुर्गा शक्ति मंच, साईं मंदिर गांधीनगर, महाकालेश्वर मंदिर, कीर्तन मंडली पटपरिया, शंकर मंदिर नमनाकला ने देवी मां के गीतों की प्रस्तुती दी, जिसमें महिलाएं झूम उठीं और पूरा परिसर भक्तिमय हो गया, कार्यक्रम का संचालन संयोजिका वन्दना दत्ता ने किया। इस वर्ष समाज सेवा में निशक्त जनों की सेवा के लिए वसुधा सम्मान रीता अग्रवाल को दिया गया। रीता वसुधा की सदस्य हैं। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार महिलाओं और बालिकाओं को दिया गया। तीज उत्सव में प्रथम सरिता सिंह, द्वितीय डॉ. पुष्पा सोनी, तृतीय रेखा इंगोले रहीं, इन्हें पुरस्कृत किया गया। अंगदान की भ्रांतियों को दूर करते हुए महिलाओं को इसके लिए प्रोत्साहित किया गया। आयोजन में दुर्गा मंदिर प्रबंधन और वसंत पंडाल का सहयोग रहा। आभार प्रदर्शन तनुश्री मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में विजेताओं के अलावा सरिता भाटिया, नमिता चावला, जानकी सिंह, लीला अग्रवाल, नीलू गुप्ता, जयश्री स्वर्णकार, नेहा वर्मा, लीला बंसल, सविता सिंह, गीता मलिक, सरिता सिंह, अनुभा डबराल, किरण भाटिया, ज्योति द्विवेदी, श्रद्धा खेरपाण्डे, पूनम जायसवल, मुक्ता गुप्ता, संध्या सिंह, आभा सिंह, मधु चैदह, डॉ. भारती परिहार, श्वेता गुप्ता, रींना जायसवल, आशा राणा, अंजना परिहार, संजीता स्वर्णकार, किरण गुप्ता, रेखा गुप्ता, रिया तिवारी, स्वेता राणा, ममता सिंह, मंजू जायसवाल, उर्मिला अग्रवाल, वंदना श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में महिलाओं की उपस्थित रही।

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने चलाया यातायात जागरूकता अभियान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में भाजयुमो के जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू के साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को शहर के गांधी चौक में यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने एवं दोपहिया में दो सवारी से ज्यादा लोगों को नहीं बैठाने की सलाह दी गई और चार पहिया वाहनों के चालकों से सीट बेल्ट लगाने का आग्रह किया। कार्यकर्ताओं ने बिना हेलमेट गाड़ी चला रहे लोगों को रोककर उन्हें उनके जीवन के मूल्य को समझाया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निशांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा की गारंटी है। अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं स्वयं की लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं। भाजयुमो का उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को जिम्मेदार बनाना है ताकि वे सुरक्षित होकर अपने घर पहुंच सकें। कार्यकर्ताओं ने हाथों में जागरूकता संबंधी पोस्टर ले रखा था, जिन पर 'सावधानी हटी-दुर्घटना घटी' 'हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें' और 'तीन सवारी-जान पे भारी' जैसे नारे लिखे थे। इस दौरान यातायात पुलिस का मिले सहयोग के लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी जनहित का कार्य जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान युवा मोर्चा की प्रदेश मंत्री प्रिया सिंह, अनीश सिंह, अविनाश मंडल, शुभम सिंह भदौरिया, रिशु अंबष्ट, अनुराग शुक्ला, ओंकारेश्वर सिंह, अतीश पांडे, प्रीतेश दुबे, अभिषेक माथुर, शैलेन्द्र चौबे, आनंद साहू, आयुष दुबे, रोहन मंडल, विशाल सिंह, प्रियांशु चौबे एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्था ने पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी का पुण्य स्मृति दिवस मनाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक मार्गदर्शक एवं प्रेरणा स्त्रोत राजयोगिनी दादी जानकी का पुण्य स्मृति दिवस 26 मार्च, गुरुवार को मनाया गया। इनका जन्म अविभाजित भारत अंतर्गत सिंध के हैदराबाद में सन् 1916 में हुआ था। सरगुजा संभाग की संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या सहित सैकड़ों लोगों ने दादी जानकी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

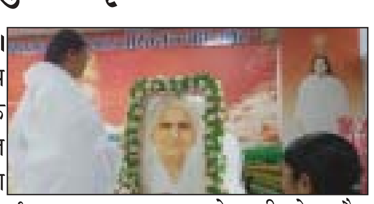

ब्रह्माकुमारी विद्या ने दादी जानकी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे 104 वर्ष की आयु तक विदेही व जीवन मुक्त स्थिति में रह, ज्ञान दान के साथ-साथ गुणों का भी दान करते पूरे परिवार का अलौकिक पालना की। वे सच्चाई, सफाई और सादगी की प्रतिमूर्ति थीं। ब्रह्माकुमारी विद्या ने उनके अनमोल पांच शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा सेवा करते डबल लाइट रहना सबसे बड़ी सेवा है। जो सच्चे, स्वच्छ और सर्विसएबुल हैं, वही परमात्म प्यार के पात्र हैं। प्यार मांगने के बजाय स्वमान में रहो और सबको मान दो, तो प्यार के पात्र बन जाएंगे। नम्रता और सत्यता को अपना साथी बना लो तो हर बात एक्यूरेट होगी। पांचवां खुशी का खजाना सदा कायम रखना है तो पॉजिटिव सोचने का तरीका सीख लो। उन्होंने कहा ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यों का संचालन करने एवं इस संस्थान का विकास करने में राजयोगिनी दादी जानकी ने जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने वे 27 मार्च 2020 को उच्च आध्यात्मिक अवस्था को प्राप्त करते हुए शांतिपूर्वक अनंत जीवन की यात्रा पर प्रस्थान कर गईं। सभी ने इन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

शहर में रैली के दौरान कक्षा 11वीं-12वीं के छात्रों से मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में बुधवार को निकली धार्मिक रैली के दौरान कक्षा 11वीं व 12वीं के छात्रों को बात करने और फोटो दिखाने के बहाने बलपूर्वक ले जाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों मामले में केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है। संत पाल मिशन स्कूल में कक्षा 11 वीं की परीक्षा दिए घुटरापारा निवासी एक छात्र ने पुलिस को बताया है कि 25 मार्च को वह शाम करीब 8 बजे चैत्र नवरात्रि के अवसर पर निकले शोभायात्रा को देखने के लिए अपने दोस्त के साथ महामाया रोड गया था। महामाया चैक में बालाजी पटाखा दुकान के पास गोलू नाम के लड़के ने तुम्हारा कोई फोटो भेजा है, बात करना है, कहते हुए किनारे चलने के लिए कहा, इसके बाद छात्र और उसके साथी को पकड़कर वे गली में ले गए। यहां गोलू, कोया डान, रितिक व करण मौजूद थे, जो गालीगलौज करते हुए, ज्यादा हीरो बनते हो कहकर जान से मारने की धमकी देने लगे और हाथ-मुक्का, कड़ा से मारपीट किए। मारपीट में दोनों को चोटें आई हैं। एक अन्य घटना में विक्टोरिया पाब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं का परीक्षा दिया छात्र अपने भाई दिब्यांश सिंह राजपूत के साथ चैत्र रामनवमी रैली में शामिल होकर डीजे बाजा में नाचते हुए दुर्गा मंदिर से महामाया मंदिर जा रहा था। रैली महामाया रोड में आनंद किराना स्टोर सुपर मार्केट के पास पहुंची थी। करीब 8.30 बजे रात सुजल जायसवाल कुछ बात करना है कहते हुए रैली से बाहर आने के लिए कहा। जब वह रैली से बाहर जाने से मना किया तो सुजल उसको पकड़कर आनंद किराना दुकान के बगल गली में ले जाने लगा, इस दौरान रोहित नामक लड़का पीछे से लात मारकर गाली देते हुए आगे चलने के लिए कहा। यहां सुजल, रोहित एवं संदीप ने पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का, लात, कड़ा से मारपीट की घटना को अंजाम दिया। दोनों मामले में पुलिस ने आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

कहार समाज की महिलाओं ने किया कन्या भोज का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवरात्रि के अवसर पर अंबिकापुर में कहार समाज की महिलाओं ने शहर के गंगापुर में स्थित नई दिशा छात्रावास में कन्या भोज का आयोजन किया। इस दौरान कन्या छात्रावास की 100 बालिकाओं को विधि-विधान से कन्या पूजन करके भोज कराने के साथ देश और समाज के उन्नति और तरक्की हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। बता दें कि महिला कहार समाज की महिलाओं द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रमो का आयोजन पूर्व में भी किया जाता रहा है, जिससे समाज की महिलाओं को एकजुट करते हुए समाज के उत्तरोत्तर विकास हेतु सार्थक एवम सकारात्मक कार्य किया जा सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला कहार समाज की सक्रिय सदस्य भूतपूर्व पार्षद संध्या रवानी, सामाजिक कार्यकर्ता साधना कश्यप, आराध्या कश्यप, सुषमा कश्यप, मोनिका कश्यप, सुभद्रा कश्यप, सृष्टि कश्यप, ललिता कश्यप, संध्या सिंह, जूली कश्यप, रेखा कश्यप, पुष्पा कश्यप, अर्चना कश्यप, किरण कश्यप का सराहनीय योगदान रहा।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर